प्रयागराज, रविवार 13 जुलाई 2025 से 19 जुलाई 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-28
पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

प्लेन क्रैश मामला- 15 पेज की रिपोर्ट में खुलासा,दोनों इंजन बंद हुए,एक पायलट ने दूसरे से पूछा- तुमने फ्यूल बंद किया, जवाब- नहीं

नयी दिल्ली। अहमदाबाद प्लेन हादसे के एक महीने बाद शुरुआती जांच रिपोर्ट आ गई है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने 12

जुलाई को 15 पेज की रिपोर्ट सार्वजनिक की। प्रारंभिक जांच के मुताबिक यह हादसा विमान के दोनों इंजन बंद होने की वजह से हुआ था। टेकऑफ के तुरंत बाद एक-एक करके दोनों फ्यूल स्विच बंद हो गए थे, इस वजह से दोनों इंजन भी बंद हो गए। इस दौरान कॉकपिट की रिकॉर्डिंग से पता चला है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा था कि क्या तुमने स्विच बंद किया है? दूसरे ने जवाब दिया, नहीं। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे वाले विमान में दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच बंद थे, जिसके बाद पायलटों ने इसे चालू किया और दोनों इंजन को दोबारा शुरू करने की कोशिश की थी। लेकिन विमान बहुत कम ऊंचाई पर था, इसलिए इंजनों को दोबारा ताकत पाने का समय नहीं मिल सका और विमान क्रैश हो गया। हालांकि ये सामने नहीं आया है कि फ्यूल स्विच बंद कैसे हुए थे। 15 पन्नों की रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ से लेकर हादसे तक की पूरी उड़ान करीब 30 सेकेंड ही चली। इस समय तक रिपोर्ट में बोईंग 787-8 विमान और जीई जेनेक्स-1बी इंजन को लेकर किसी ऑपरेटर के लिए कोई चेतावनी या कार्रवाई की सिफारिश नहीं की गई है। साथ ही रिपोर्ट में मौसम, बर्ड-हिट और सबोटाज जैसे किसी भी कारण का जिक्र नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया कि उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद दोनों इंजन हवा में ही बंद हो गए - ईंधन कटऑफ स्विच एक के बाद एक केवल एक सेकेंड में रन (चालू इंजन) से कटऑफ (बंद इंजन) में बदल गए। इंजनों को ईंधन की आपूर्ति मिलना बंद हो गई थी।कॉकपिट ऑडियो भी सामने आया है जिसमें एक पायलट ने पूछा, 'आपने क्यों बंद (इंजन) किया?' दूसरे ने उत्तर दिया, 'मैंने नहीं किया।' पायलटों ने इंजन को फिर से चालू करने का प्रयास किया। न1 या इंजन 1 कुछ हद तक चालू हो गया, लेकिन इंजन 2 क्रैश होने से पहले स्टार्ट नहीं हो सका। विमान केवल 32 सेकेंड के लिए हवा में रहा था। फ्यूल टेस्टिंग में पाया गया कि ईंधन में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं थी। थ्रस्ट लीवर पूरी तरह टूट चुके थे, लेकिन ब्लैक बॉक्स से पता चला है कि टेकऑफ थ्रस्ट उस वक्त चालू था, जो डिस्कनेक्ट होने का संकेत देता है। थ्रस्ट लीवर के जरिए विमान के इंजन की ताकत को कंट्रोल किया जाता है।ः फ्लैप सेटिंग (5 डिग्री) और गियर (नीचे) उड़ान भरने के लिए सामान्य थे। बर्ड हिटिंग संबंधी कोई समस्या नहीं थी।आसमान पूरी तरह साफ था। विजिबिलिटी भी ठीक थी। आंधी-तूफान जैसी भी कोई स्थिति नहीं थी। दोनों पायलट मेडिकली फिट थे। उन्हें किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं

थीं। पायलट इन कमांड के पास 15 हजार घंटे और को-पायलट के पास 3400 घंटे उड़ान का अनुभव था।रिपोर्ट में कहा गया कि यह प्रारंभिक जांच है, अभी यह जारी है। फिलहाल बोइंग विमान कंपनी या इंजन बनाने वाली जनरल इलेक्ट्रिक को कोई एडवाइजरी जारी नहीं की जा रही है।रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इंजन बंद होते ही रैम एयर टर्बाइन खुल गया। यह एक छोटी प्रॉपेलर जैसी डिवाइस होती है। यह हवा की गति से घूमती है और बिजली और हाइड्रॉलिक पावर पैदा करती है। खासतौर पर तब जब विमान की मेन पावर कट हो जाए, या हाइड्रॉलिक सिस्टम फेल हो जाए। आरएटी विमान को कम से कम नेविगेशन और कंट्रोल सिस्टम को थोड़ा बहुत चालू रखने में मदद करता है।बोइंग ने रिपोर्ट आने के बाद अपने बयान में कहा, 'हमारी संवेदनाएं एअर इंडिया फ्लाइट 171 के यात्रियों, क्रू मेंबर्स और अहमदाबाद में प्रभावित लोगों के परिवारों के साथ हैं। हम जांच एजेंसियों और अपने कस्टमर के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं।' यह बयान एएआईबी की शुरुआती जांच रिपोर्ट के बाद आया है। विमान का आखिरी सिग्नल 190 मीटर (625 फीट) की ऊंचाई पर मिला, जो उड़ान भरने के तुरंत बाद आया था। विमान ने 12 जून की दोपहर 1:39 बजे रनवे 23 से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के बाद विमान के पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को मेडे कॉल (इमरजेंसी मैसेज) भेजा, लेकिन इसके बाद कोई जवाब नहीं मिला।ड्रीमलाइनर विमान के दोनों इंजनों में रन और कटऑफ नाम के दो पोजिशन होते हैं। अगर विमान हवा में है और स्विच कटऑफ पर चला जाए तो इंजन को फ्यूल मिलना बंद हो जाता है, जिससे ताकत (थ्रस्ट) खत्म हो जाती है और बिजली सप्लाई भी रुक सकती है, जिससे कॉकपिट के कई उपकरण भी बंद हो सकते हैं।

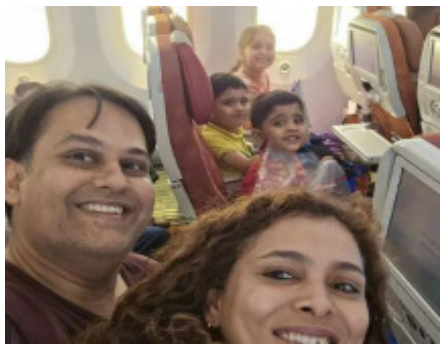

नए नियम- सामने कांच पर फास्टैग नहीं लगाने वाले ब्लैकलिस्ट होंगे,हाथ से फास्टैग दिखाने वालों पर सरकार सख्त

नयी दिल्ली। 'लूज फास्टैग' रखने वाले यूजर्स को अब ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। जानबूझकर फास्टैग को गाड़ी की विंडस्क्रीन पर न लगाने वाले हाईवे यूजर्स को 'लूज फास्टैग' या 'टैग-इन-हैंड' कहा जाता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अनुसार, इससे ई-टोल कलेक्शन सिस्टम में गड़बड़ी आती है और बाकी यात्रियों को परेशानी होती है।1. सवालः फास्टैग को लेकर एनएचएआई ने क्या नया नियम बनाया है? जवाबः भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने फास्टैग के दुरुपयोग को रोकने के लिए ये नियम लागू किया है। अब अगर कोई ड्राइवर फास्टैग को गाड़ी की विंडशील्ड पर नहीं चिपकाता और उसे हाथ में रखकर (जिसे 'लूज फास्टैग' या 'टैग-इन-हैंड' कहते हैं) टोल प्लाजा पर दिखाता है, तो उसका फास्टैग ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। 2. सवालः ऐसा नियम क्यों लाया गया है? जवाबः कुछ ड्राइवर जानबूझकर फास्टैग को विंडस्क्रीन पर नहीं चिपकाते। वे इसे हाथ से दिखाकर

स्कैन कराते हैं। इससे ज्यादा समय लगता है और टोल प्लाजा पर जाम लगता है। इससे दूसरे यात्रियों को भी परेशानी होती है।इसके अलावा कुछ ड्राइवर एक ही फास्टैग को कई गाड़ियों के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। इससे टोल से गुजरने वाली गाड़ियों का डेटा मिस मैच होता है। यह गैर कानूनी है। 3. सवालः यह नियम कब से लागू हो रहा है? जवाबः एनएचएआई ने 11 जुलाई 2025 को इसकी घोषणा की थी। टोल कलेक्शन एजेंसियों को तुरंत ऐसे फास्टैग की रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है, जिसके आधार पर एनएचएआई फास्टैग को ब्लैकलिस्ट करेगी। 4. सवालः यह नियम क्यों इतना जरूरी है? जवाबः एनएचएआई जल्द ही 'एनुअल पास सिस्टम' और 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' टोलिंग शुरू करने वाली है। इन नए सिस्टम्स में फास्टैग की सही स्थिति बहुत जरूरी है, ताकि टोल कलेक्शन बिना रुकावट हो और सिस्टम की विश्वसनीयता बनी रहे। 5. सवालः अगर कोई ड्राइवर 'लूज फास्टैग' इस्तेमाल करता पकड़ा गया तो क्या होगा? जवाबः एनएचएआई ने टोल कलेक्शन एजेंसियों को एक खास ईमेल आईडी दी है, जिसके जरिए वे तुरंत ऐसे फास्टैग की जानकारी दे सकते हैं। इसके बाद एनएचएआई उस फास्टैग को ब्लैकलिस्ट या हॉटलिस्ट कर देगी, जिससे वह काम करना बंद कर देगा।3000 रुपए में एक साल के लिए फास्टैग, निजी गाड़ियां 200 बार टोल क्रॉस कर सकेंगी- सरकार ने घोषणा की है कि अब फास्टैग के लिए सालाना पास का ऑप्शन भी मिलेगा। इसकी कीमत 3,000 रुपए होगी। 15 अगस्त से ये पास मिलने लगेगा। ये पास प्राइवेट व्हीकल्स जैसे कार, जीप, वैन के लिए है। ये एक साल के लिए या 200 टोल क्रॉस करने के लिए वैलिड होगा। सरकार का दावा है कि इससे देशभर के नेशनल हाईवे के टोल पर भीड़ कम होगी।

जस्टिस वर्मा को हटाने की तैयारी शुरू,लोकसभा में प्रस्ताव आएगा सांसदों के साइन कराए जा रहे,21 जुलाई से शुरू होगा मानसून सत्र

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के लिए केंद्र सरकार ने संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए लोकसभा सांसदों के साइन जुटाए जा रहे हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, कई सांसदों के दस्तखत लिए जा चुके हैं। इससे संकेत मिल रहा है कि प्रस्ताव लोकसभा में लाया जा सकता है। लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 100 सांसदों के साइन जरूरी होते हैं। वहीं, राज्यसभा में यह संख्या 50 सांसदों की होती है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पहले ही कह चुके हैं कि जस्टिस वर्मा को हटाने का प्रस्ताव 21 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र में लाया जाएगा। जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास के स्टोर रूम में 14 मार्च की रात आग लग गई थी। यहां से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से

भरे बोरे मिले थे। जस्टिस वर्मा फिलहाल इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज हैं। दिल्ली हाईकोर्ट से उनका ट्रांसफर कर दिया गया था। हालांकि, उन्हें किसी भी तरह का न्यायिक कार्य सौंपने पर रोक है।कैश केस की जांच कर रहे सुप्रीम कोर्ट के पैनल की रिपोर्ट 19 जून को सामने आई थी। 64 पेज की रिपोर्ट में कहा गया कि जस्टिस यशवंत वर्मा और उनके परिवार के सदस्यों का स्टोर रूम पर सीक्रेट या एक्टिव कंट्रोल था। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू की अध्यक्षता वाले तीन जजों के पैनल ने 10 दिनों तक जांच की। 55 गवाहों से पूछताछ की और जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास का दौरा किया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों को ध्यान में रखते हुए पैनल इस बात पर सहमत है कि सीजेआई के 22 मार्च के लेटर में लगाए गए आरोपों में पर्याप्त तथ्य हैं। आरोप इतने गंभीर हैं कि जस्टिस वर्मा को हटाने के लिए कार्यवाही शुरू करनी चाहिए।चश्मदीदों ने जले नोट देखेः 10 चश्मदीदों ने आधी जली हुई नकदी देखी, इनमें दिल्ली फायर सर्विस, पुलिस के अधिकारी थे। इन सभी ने जस्टिस वर्मा के घर के स्टोर रूम में जले हुए नोटों के ढेर देखे थे।जस्टिस वर्मा ने खंडन नहीं कियाः इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य (स्टोर रूम के वीडियो-फोटो) चश्मदीदों के बयानों की पुष्टि करते हैं। घटनास्थल पर लिए गए वीडियो और आरोपों का जस्टिस वर्मा ने भी खंडन नहीं किया है। घरेलू कर्मचारियों ने नोट निकालेः जस्टिस वर्मा के दो घरेलू कर्मचारियों राहिल/हनुमान पार्षद शर्मा और राजिंदर सिंह कार्की ने स्टोर रूम से जले हुए नोट निकाले थे। वायरल वीडियो से दोनों की आवाज मैच हुई है। बेटी ने गलत बयान दियाः जस्टिस वर्मा की बेटी दीया ने वीडियो के बारे में गलत बयान दिया। कर्मचारी की आवाज पहचानने से इनकार कर दिया, जबकि कर्मचारी ने खुद स्वीकार किया था कि आवाज उसकी है।*आगे की खबर पेज न. 3 पे..*

आगरा- भतीजे संग घर से भागी पत्नी,हरिद्वार से घर लाते वक्त रास्ते में पति की हार्टअटैक से मौत

आगरा। पति को छोड़कर प्रेमी के साथ भागी पत्नी को पुलिस ने बरामद कर लिया। उसे हरिद्वार से एक निजी वाहन से लेकर लौट रहे थे। तभी अचानक रास्ते में पति के सीने में दर्द हुआ। पुलिस उसे अस्पताल लेकर पहुंची। जहां उसे मृत घोषित कर दिया। इधर उसकी मौत पर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी। भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता बच्चों की परवरिश के लिए मुआवजा की मांग करने लगे। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बमुश्किल समझाया। पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लिया है।आगरा के थाना बरहन क्षेत्र के गांव में रहने वाले ग्रामीण की 38 साल की पत्नी अपने 24 साल के भतीजे के साथ 8 जून को चली गई थी। परिजन ने बताया कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। पति ने बरहन थाने में 12 जून को केस दर्ज कराया था। दोनों की लोकेशन हरिद्वार में मिली थी। इसकी जानकारी पर पुलिस के साथ पति और उनकी बुआ का बेटा वहां पहुंचे थे। पुलिस एक निजी से महिला को साथ लेकर हरिद्वार से लौट रही थी। मुजफ्फरनगर के पास रास्ते में युवक के सीने में तेजी से दर्द उठा था।परिजन ने बताया की दोनों की शादी को 25 साल हो गए थे। दो बेटे और एक बेटी है। परिवार डेढ़ बीघा खेत और मजदूरी पर निर्भर है। युवक की पत्नी के रिश्ते के भतीजे से प्रेम संबंध हो गए थे। पत्नी के चले जाने से मृतक काफी दुखी था। हरिद्वार जाने के लिए एक निजी वाहन लेकर गए थे। उनके साथ एक पुलिसकर्मी और एक महिला कांस्टेबल साथ थी। हरिद्वार में दबिश देने पहुंची पुलिस को देखकर आरोपी भतीजा मौके से भाग गया।ग्रामीण की मौत पर भारतीय किसान यूनियन के तमाम कार्यकर्ता शव को सड़क पर रख हाईवे को जाम कर दिया। सूचना पर एसडीएम, एसीपी एत्मादपुर, तहसीलदार समेत आला अधिकारी पहुंच गए। भारतीय किसान यूनियन के विपिन यादव का कहना था कि ग्रामीण परिवार में अकेला कमाने वाला था। उसके तीन बच्चे हैं। अब बच्चों की परवरिश का संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की। अपने किए पर शर्मिंदा पत्नी पुलिस की हिरासत में है। वह आखरी बार अपने पति को देख नहीं पाई। एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह ने प्रदर्शनकारियों को आश्वाशन देकर शांत किया। उन्होंने बताया कि शनिवार को महिला के बयान कोर्ट में दर्ज कराए जाएंगे।

श्रावस्ती,महाराजगंज,बहराइच... यूपी के पिछड़े जिले अब विकास के पथ पर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को एक बड़ी बात कही। सरकार ने कहा कि कुछ जिले, जिन्हें पहले पिछड़ा माना जाता था, अब तरक्की कर रहे हैं। ये जिले विकास के मॉडल बन रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि यहां कुछ नए और अच्छे काम किए जा रहे हैं। इन कामों को सबसे अच्छा माना गया है। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि बहराइच, महाराजगंज और श्रावस्ती जिलों में कुछ खास काम हो रहे हैं। इन कामों से लोगों को ताकत मिल रही है और उनकी जिंदगी बदल रही है। ये जिले नए तरीके अपना रहे हैं, लोगों को साथ लेकर चल रहे हैं और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं। नीति आयोग ने इन जिलों को सही रास्ता दिखाया है। साथ ही, यहां के अफसरों ने भी बहुत मेहनत की है। इन जिलों ने विकास के लिए नए उदाहरण पेश किए हैं।बहराइच जिले में बांस से बने सामान का एक बाजार बनाया गया है। यह एक अनोखा

काम है। यहां स्वयं सहायता समूहों (एसे) की महिलाएं बांस से बने सामान बेचती हैं। प्रवक्ता ने कहा, 'यह बाजार स्थानीय महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बना रहा है और उनकी कला को बढ़ावा दे रहा है।' इसका मतलब है कि इस बाजार से महिलाओं को पैसे कमाने में मदद मिल रही है और वे अपने हाथों से बने सामान को बेच पा रही हैं।इसके अलावा, जिले में एक और नया तरीका अपनाया गया है। यहां किसान एक साथ कई तरह की फसलें उगा रहे हैं। वे नेपियर घास के साथ-साथ कद्दू, लौकी और करेला जैसी फसलें भी उगा रहे हैं। इससे किसानों की कमाई बढ़ गई है। साथ ही, यहां के किसान संगठन और पतंजलि के बीच एक समझौता हुआ है। इसके तहत पतंजलि किसानों से हल्दी खरीदेगा। इससे किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए एक बड़ा बाजार मिल गया है और उन्हें अच्छी कीमत भी मिल रही है।इसी तरह, महाराजगंज जिले में भी कई अच्छे काम किए गए हैं। ये काम अब दूसरे जिलों के लिए उदाहरण बन गए हैं। इनमें से एक है 'मां पाटेश्वरी विला सिटी' परियोजना। इस परियोजना के तहत बाढ़ से बेघर हुए परिवारों को सुरक्षित घर और रोजगार दिया जा रहा है। यह एक पूरी योजना है जिसका मकसद लोगों को फिर से अपने पैरों पर खड़ा करना है। इसके अलावा, विकास संकुल योजना भी चलाई जा रही है। इस योजना के तहत गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। जैसे कि साफ पीने का पानी, बिजली और सड़कें। इससे गांव और शहर के बीच का फर्क कम हो रहा है। श्रावस्ती जिले में भी शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत सुधार हुआ है। यहां कुछ खास काम किए गए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि हर स्कूल में सफाई कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। इससे स्कूलों में साफ-सफाई बेहतर हुई है। इसके अलावा, 'बुलावा दल' बनाए गए हैं। ये दल घर-घर जाकर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए माता-पिता को समझाते हैं। इससे स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ गई है। बच्चों की पढ़ाई कैसी चल रही है, इस पर भी ध्यान रखा जा रहा है। गूगल शीट का इस्तेमाल करके पढ़ाई के नतीजों को देखा जा रहा है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अच्छा काम हुआ है। 215 नर्सों को सीएसआर के तहत स्कूटर दिए गए हैं। इससे वे दूर-दराज के इलाकों में जाकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं दे पा रही हैं। इसके अलावा, एक पोषण पुनर्वास केंद्र भी खोला गया है। यहां कुपोषित बच्चों का इलाज किया जाता है। इस केंद्र को नीति आयोग और भारत सरकार से मदद मिल रही है।

नैनी पुल से प्रेमी-प्रेमिका ने लगाई छलांग,गोताखोर रेस्क्यू में जुटे,पानी में मिले बैग से पहचान करा रही पुलिस

प्रयागराज। प्रयागराज में नैनी के नए यमुना पुल से प्रेमी-प्रेमिका ने

छलांग लगा दी। यमुना के तेज बहाव में दोनों बह गए। तत्काल जल पुलिस के जवान और गोताखोर मोटर बोट लेकर रेस्क्यू में लग गए। जहां दोनों ने छलांग लगाई, उसी जगह एक बैग मिला। इसमें लड़की का 10वीं का प्रमाण पत्र मिला है, जिसमें ज्योति गुप्ता नाम लिखा है। एड्रेस मेजा के सिरसा का है। पुलिस इसी नाम-पता के आधार पर दोनों की पहचान कराने के प्रयास में जुटी है। चश्मदीदों ने बताया- शनिवार सुबह दोनों नैनी के नए यमुना पुल की रेलिंग पर आकर बैठ गए। लोगों ने आवाज लगाकर हटने को कहा। कुछ लोगों को उनके कूदने की आशंका हुई तो वे बचाने के लिए दौड़े। लेकिन, तब तक वे दोनों कूद गए। प्रयागराज जल पुलिस इंस्पेक्टर रविंद्र नाथ भी मौके पर पहुंचे। उनकी निगरानी में गोताखोरों ने काफी गहराई तक यमुना में ढूंढा, लेकिन दोनों की बॉडी नहीं मिल पाई। जल पुलिस के मुताबिक, एक बैग पानी में उतराता मिला, उसमें एक डायरी और कुछ डाक्यूमेंट्स थे। सिरसा का एड्रेस मिला है। उसे कीडगंज पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। परिवार तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

संगमनगरी में गंगा का जलस्तर 80 मीटर के करीब,डेंजर लेवल से करीब 4 मीटर बचा कल 5मीटर बचा था

प्रयागराज।प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में लगातार वृद्धि होती जा रही है। गंगा का

जलस्तर 80 मीटर के करीब पहुंच चुका है। यहां डेंजर लेवल 84.734 मीटर है यानी गंगा का जलस्तर डेंजर लेवल से करीब 4 मीटर नीचे पहुंच चुका है। अब बाढ़ का खतरा बढ़ने लगा है। तटीय इलाकों में रहने वालों की मुश्किलें बढ़ने लगी है। गंगा यमुना के किनारे बसे 40 से ज्यादा गांवों के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। हर बार की तरह इस बार भी बाढ़ शरणालय सक्रिय करने के आदेश दिए गए हैं। स्कूल आदि जो नजदीक है उन्हें पूरी तैयारी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।कल शुक्रवार को भी दिन भर बारिश हुई। रात में बारिश हुई है। वहीं दूसरी ओर पहाड़ों पर हो रही तेज बारिश का असर भी यहां दिख रहा है। कहीं बैराजों से भी पानी लगातार छोड़ा जा रहा है जिससे गंगा यमुना का जलस्तर बढ़ता ही जा रहा है। यही इसी तरह की स्थिति रही तो जल्द ही यहां का जलस्तर डेंजर लेवल के करीब पहुंच जाएगा। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के अनुसार, 80 से ज्यादा बाढ़ चौकियां सक्रिय कर दी गई है। 24 घंटे के लिए हमारी टीम मुस्तैद है। बाढ़ प्रभावित इलाकों पर विशेष फोकस है।

नैनी में ज्वैलरी शॉप से 8 लाख की लूट,ग्राहक बनकर आया बदमाश, सोने की चेन का बॉक्स लेकर फरार

प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के पीडीए मोड पर ज्वैलरी की दुकान

पर पहुंचे एक शातिर चोर ने दिन दहाड़े लूट की बड़ी घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। घटना के बाद मौके ले हड़कंप मच गया। दुकान मालिक ने शोर मचाया लेकिन तब तक शातिर सोने की चेन से भरे बॉक्स को।लेकर फरार हो चुका था। नैनी के पीडीए मोड नई बाजार के रहने वाले राजेश कुमार वैश्य की महालक्ष्मी ज्वैलर्स के नाम से आभूषण की बड़ी दुकान है। दुकान मालिक के मुताबिक करीब 3.30 बजे एक युवक दुकान में आया और सोने की चेन खरीदने की बात करने लगा। उधर उसे चेन दिखाने के लिए सोने की चेन से भरा बॉक्स लेकर उसके सामने रख दिया। उस बॉक्स में अलग अलग दामों और तोले के हिसाब से करीब आठ लाख के सोने की चेन रखी थी। जैसे ही उसे बॉक्स दिया देखते हो देखते वह बॉक्स लेकर भाग निकला।दुकान मालिक राजेश के।शोर मचाने पर आस पास के लोग पहुंचे लेकिन तब तक वह शातिर बॉक्स लेकर भाग चुका था। शातिर चोर की फोटो दुकान के बगल लगे सीसीटीवी कैमरे में मयूरी कैद हो गई। सूचना पर पहुंची नैनी पुलिस ने पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।राजेश के मुताबिक दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा खराब है। उसमें रिकार्डिंग नहीं हो रही है। गली और पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी का पूरा कारनामा कैद हो गया है।नैनी पुलिस की बात करे तो नए इंस्पेक्टर बृज किशोर गौतम ने जिस दिन से चार्ज संभाला है उस दिन बड़ी घटनाओं की बौछार हो रही है। उनसे नैनी थाना संभाला नहीं जा रहा है। कहा यह जा रहा है कि कभी पुलिस चौकी के सामने गोली चल रही है, तो कभी डबल मर्डर हो जा रहे है। इसके अलावा भी कई ऐसी घटनाएं है जिनका खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। फिलहाल नैनी पुलिस को एक और चुनौती शातिर बदमाशों ने दी है।

जमीनी विवाद मामले में पुलिस का अभद्र व्यवहार, महिला से दरोगा की बदसलूकी का वीडियो वायरल,एसीपी को जांच के निर्देश

प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र में एक पुलिस दरोगा द्वारा महिला से दुर्व्यवहार का

मामला सामने आया है। पनासा गांव के डांडेपर मुहल्ले में पुलिस की कार्यशैली एक बार फिर विवादों में है। घटना में पनासा चौकी के एक दरोगा और दो सिपाही अरविंद यादव के घर पहुंचे। अरविंद का एक व्यक्ति से जमीनी विवाद सिविल कोर्ट में विचाराधीन है। घर पर पुरुष सदस्य नहीं होने पर दरोगा ने महिलाओं को धमकाना शुरू कर दिया। अरविंद की बहू सविता ने जब दरोगा के दुर्व्यवहार का वीडियो बनाना शुरू किया तो दरोगा ने उसका मोबाइल छीनने का प्रयास किया। महिला के विरोध पर पुलिसकर्मी मुकदमा वापस लेने की धमकी देकर वहां से चले गए। पीड़िता ने वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया और डीसीपी यमुनानगर को व्हाट्सएप पर शिकायत भेजी। कई लोगों ने ट्विटर पर भी वीडियो शेयर कर कार्रवाई की मांग की। डीसीपी विवेक चंद्र यादव ने मामले की जांच एसीपी करछना को सौंपी है। अधिवक्ता बुद्धि प्रकाश के मुताबिक, सार्वजनिक स्थान पर महिला को गाली देना अपराध है। करछना थाने की इस घटना से पुलिस विभाग की छवि को नुकसान पहुंच रहा है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया जिला कारागार का निरीक्षण

रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली राजकुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा जिला कारागार, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनुपम शौर्य अपर जिला जज/सचिव द्वारा जिला कारागार की महिला बैरक, चिकित्सालय व लीगल ऐड क्लीनिक का निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा दौरान निरीक्षण बन्दियों से उनके पास अधिवक्ता उपलब्धता के सम्बन्ध में व जिसकी जमानत न्यायालय से होने के बाद भी जमानतदार न दाखिल होने के कारण रिहाई नहीं हो सकी हो के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। निरीक्षण उपरांत महिला बन्दियों के विधिक अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन महिला बैरक में किया गया। इस विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर में जिला कारागार में निरुद्ध महिला बन्दियों की शिक्षा एवं व्यवसाय के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। जिससे अधिक से अधिक महिला बन्दी लाभान्वित हो सके। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमांशु रौतेला, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जय सिंह यादव, जेल चिकित्सक डा0 सुनील अग्रवाल, उपकारापाल धर्मपाल सिंह, उपकारापाल सुमैया परवीन व असिस्टेन्ट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल योगेश चन्द्र उपस्थित रहे।

धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा 06 सितम्बर तक लागूः एडीएम (प्रशासन)

रायबरेली। जनपद में 11 जुलाई 2025 से श्रावण मास का प्रारम्भ हो गया है, सावन मास के सोमवार/पर्व 14 जुलाई को प्रथम सोमवार, 21 जुलाई को द्वितीय सोमवार/अमावस्या, 28 जुलाई को तृतीय सोमवार, 04 अगस्त का चतुर्थ सोमवार/पूर्णिमा, 09 अगस्त को रक्षा बन्धन/पूर्णिमा व 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, 05 सितम्बर को ईद-ए-मिलाद/बारावफात, 06 सितम्बर को अनन्त चतुदर्शी व स्थानीय गंगा घाटो पर पूर्णिमा/अमावस्या, पर्व पर गंगास्नान एवं आयोग से प्रायोजित होने वाली प्रतियोगी परिक्षाये, प्राविधिक शिक्षा परिषद/विश्वविद्यालय की गतिमान वार्षिक/सेमेस्टर परिक्षाओं के आयोजन, परीक्षा पुस्तिकाओं का मूल्याकन व संचारी रोगों के प्रभावी रूप से रोकथाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देश का क्रियान्वयन किया जाना है। उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत वर्तमान में समवाभाव के कारण पक्षों को सुनने के उपरान्त आदेश पारित किया जाना सम्भव नही है।अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) सिद्धार्थ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता-2023 की धारा 163 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जनपद में लोक परिशान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु एकपक्षीय रूप से 11 जुलाई 2025 से 06 सितम्बर 2025 तक सम्पूर्ण जनपद में निषेधाज्ञा जारी किया है।

वैश्य समाज द्वारा प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी का हर्षोल्लास के साथ पुर्नजीवन मनाया गया।

रायबरेली। शहर के आनंद नगर मोहल्ले में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नन्द गोपाल नंदी का पुर्न जन्मोत्सव मनाया गया। जिला प्रभारी अतुल गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2010 में श्री नंदी के ऊपर जानलेवा हमला हुआ था । उन्हें 7 महीने तक मृत्यु से संघर्ष करके नया जीवन प्राप्त हुआ था। वैश्य समाज तब से हर वर्ष उनके पुनः प्राप्त जन्म दिन को विभिन्न प्रकार के आयोजन जिसमें गरीबों को भोजन, वस्त्र, फल, बिस्कुट आदि का वितरण करके उनके लंबे जीवन की कामना की जाती है। महिला जिला अध्यक्ष सुधा गुप्ता एवं महामंत्री नेहा जैन ने बताया कि इस बार महिलाओं को साड़ियां, फल, मिष्ठान आदि वितरण किया गया। जिला संरक्षक महेंद्र अग्रवाल द्वारा भगवान भोलेनाथ एवं नंदी जी के चित्र पर तिलक लगाकर व पुष्प वर्षा कर समारोह का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर वैश्य समाज के जिला संरक्षक हरिश्चंद्र जायसवाल, जिला कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश गुप्ता ,राजेश अग्रवाल, प्रभाकर गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, सत्येंद्र तथा संदीप जैन आदि ने सहयोग किया। लाभार्थी महिलाओं में प्रमुख रूप से किरण, लक्ष्मी, राजकुमारी, राजरानी, ममता, सुमन, चंद्रावती, पूजा, सुशीला, गौरी, सुमन, रेखा, श्यामा, वंदना आदि रही।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति ने सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महामंत्री को किया सम्मानित

रायबरेली। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति, द्वारा गुरु गोविंद सिंह उद्यान स्थित सभागार में मासिक मिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेंट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश तिवारी एवं महासचिव योगेन्द्र दीक्षित को सम्मानित किया गया। मुख्य संरक्षक के0एन0 मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि इन युवा एवं समाज सेवी अधिवक्ताओं के पदाधिकारी चुनें जाने से हमें हर्ष है। श्री मिश्र ने कहा दोनों पदाधिकारियों को उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हैं। सभा में संरक्षक नवल किशोर बाजपेई, अध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्र , संगठन सचिव शिव नारायण सोनी, युगल किशोर तिवारी,अजय श्रीवास्तव, राजाराम मौर्य,के 0के 0शर्मा, परशुराम मिश्र, डाक्टर सियाराम वर्मा,आदि ने अपने विचार रखे। इसी अवसर पर जुलाई माह में जन्मे संस्था के दो दर्जन सदस्यों को गुलाब का पुष्प गुच्छ भेंट कर उनके दीर्घ जीवन की कामना की गई। सत्तर साल के वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क उद्यान के पास वितरित किये गए। कार्यक्रम में शिव बहादुर सिंह दिलवर, डाक्टर सियाराम वर्मा ने अवधी गीत प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन शिव नारायण सोनी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शिव कुमार गुप्ता ने किया।

पति से लड़ाई के बाद घर से निकली महिला से गैंगरेप

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ के लिसाड़ी गेट क्षेत्र की समर गार्डन कॉलोनी में इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। बुधवार रात एक महिला को लिफ्ट देने के बहाने ड्रंर चालक और उसके दो साथियों ने बंधक बनाकर गैंगरेप किया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने पीड़िता को मेरठ सिटी रेलवे स्टेशन के पास छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता की निशानदेही पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक अन्य की तलाश की जा रही है।मिली जानकारी के अनुसार, समर गार्डन कॉलोनी निवासी महिला का मंगलवार शाम अपने पति से विवाद हो गया था। इसके बाद वह बुधवार रात करीब दो बजे घर से निकल गई। रास्ते में उसने समर गार्डन स्थित 100 फुटा रोड पर मिट्टी डाल रहे ड्रंर चालकों से सिटी स्टेशन तक छोड़ने के लिए लिफ्ट मांगी, लेकिन लिफ्ट देने के बहाने तीनों आरोपियों ने उसे जबरन एक सुनसान मकान में ले जाकर गैंगरेप किया।दरिंदगी की शिकार महिला को बुधवार रात ही आरोपियों ने मेरठ सिटी स्टेशन के पास छोड़ दिया। किसी तरह घर पहुंची महिला ने गुरुवार सुबह अपने पति को आपबीती बताई। इसके बाद पीड़िता के पति ने भाजपा पार्षद अरुण मंचल से मदद मांगी। पार्षद ने तुरंत समर गार्डन चौकी प्रभारी किशन कुमार को फोन कर सूचना दी, लेकिन आरोप है कि चौकी प्रभारी ने सहयोग की जगह अभद्रता की।

रेलकर्मी की हत्याकर ट्रेन के आगे कूदने वाला गुजरात के जोतड़ा गांव का रोहित निकला हमलावर,परिवार वाले नहीं जानते कैसे पहुंचा प्रयागराज

प्रयागराज। रेलवे स्टेशन पर हुई रेलकर्मी की हत्या के मामले में हमलावर की पहचान हो गई है। जीआरपी ने मृतक युवक की पहचान गुजरात के जोतड़ा गांव निवासी रोहित के रूप में की है। बुधवार रात साढ़े 9 बजे प्रयागराज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 7-8 पर रोहित ने लोहे की रॉड से हमला किया। पहले उसने नैनी में तैनात रेलवे सुरक्षा बल के जवान को घायल किया। फिर प्लेटफॉर्म पर कैटरिंग कर्मी अमित कुमार पटेल पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। हमले के बाद रोहित को पकड़ने की कोशिश की गई। इस दौरान वह प्लेटफॉर्म 8 पर आ रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के सामने कूद गया। इस हादसे में उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को मृतक के पास मिले टूटे मोबाइल से उसकी पहचान हुई। रोहित (30) के पिता का नाम रताजी है। शनिवार को उसके पिता, भाई लक्ष्मण और अन्य परिजन स्वरूपरानी अस्पताल की मोर्चरी पहुंचे। शव की पहचान के बाद पोस्टमार्टम कराया गया। रेल अधिकारियों ने मृतक अमित पटेल के परिवार को आश्रित के रूप में नौकरी देने का आश्वासन दिया है। वही, घटना ने रेल यात्री सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक रोहित के परिजनों को यह पता नहीं है कि वह मारवाड़ स्थित ससुराल से प्रयागराज कैसे पहुंचा।भाई लक्ष्मण ने बताया, रोहित की शादी राजस्थान के मारवाड़ में हुई थी। वह 5 जुलाई को ससुराल जाने की बात कह कर घर से निकला था। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। शुक्रवार की रात पुलिस ने फोन कर उसके मौत की जानकारी उन्हें दी। वह शव को लेने आए है। रोहित पिछले 3 महीने से मानसिक रूप से बीमार था। जिसका इलाज वह करा रहे थे। थाना जीआरपी प्रभारी के मुताबिक, परिवार ने शव की पहचान कर ली है। पीएम कार्यवाही पूरी कर शव परिवार को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। मामले में मृतक हत्या का दोषी था। जिसके संबंध में कानूनी कार्यवाही की लिखापढ़ी कराई जा रही है।

सीएम योगी बोले- 'कुछ ताकतें देश का स्वरूप बदलने में लगी हैं', तोड़ा जा रहा समाज, आप लोग भी सतर्क रहिए

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर गुरु तेज बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष के मौके पर धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मैंने पिछली बार भी एक कार्यक्रम में इस बात का उल्लेख किया था कि पीलीभीत और अन्य स्थान पर धर्मांतरण की बातें सामने आई हैं। हम सरकार के स्तर पर कार्रवाई कर रहे हैं लेकिन आप भी इस मामले में सजग रहिए। योगी ने कहा- हमारे पास एक टीम गई जिसने घर वापसी का एक बड़ा कार्यक्रम किया। बताया कि किस प्रकार की साजिश से हो रही है ये बात सभी लोग जानते हैं। अभी बलरामपुर में एक बड़ी कार्रवाई हुई है। उसने रेट तय किए थे...। यानी कि कैसे धर्मांतरण के कार्यक्रम को आगे बढ़ाना है, हिंदू, ब्राह्मण, क्षत्रिय, सिखों, अन्य ओबीसी जातियों, अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को किस प्रकार से कन्वर्ट करना है सबके रेट उसने तय किए थे। विदेश से उसमें धनराशि आ रही थी। 100 करोड़ से अधिक का ट्रांजैक्शन उसके 40 खातों में थे। वह लगातार इस अभियान को आगे बढ़ने का कार्यक्रम चल रहा था।योगी ने कहा- ऐसे लोग इस रूप में देश का स्वरूप बिगड़ने का काम कर रहे हैं। परिस्थितियों बदल गई हैं तो इनके काम करने का तरीका जरूर बदल गया है। इनका उद्देश्य वही है जो पहले था। गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर बोले कि इस आयोजन हम सबको इस बात के लिए प्रेरणा कर दे रहा है कि जिस देश से सिख गुरुओं ने अपना त्याग और बलिदान दिया था उसी तरह हमें भी करना होगा। सिख वीरों ने अपना बलिदान दिया था, आज की पीढ़ी को उसी शहादत की परंपरा पर एक नई रणनीति के साथ काम करने की जरूरत है। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि धर्मांतरण जैसी गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

छांगुर बाबा एटीएस को कर रहा गुमराहःबोला- डोनेशन के पैसे से धर्मंतारण नहीं धर्म का प्रचार किया, गैंग के पासपोर्ट नेपाल से बने

लखनऊ। छांगुर बाबा एटीएस की रिमांड पर है। टीम उसे लेकर बलरामपुर में उसके हवेली भी गई। लेकिन वह टीम को लगातार गुमराह कर रहा है। जितने भी सवाल उससे पूछ जा रहे हैं, उसमें वह किसी का भी सही जवाब नहीं दे रहा है। सूत्र बताते हैं कि छांगुर बाबा ने एटीएस की रिमांड में बताया है कि डोनेशन के पैसा का इस्तेमाल हो धर्म प्रचार के लिए करता था, न कि धर्मांतरण के लिए।धर्म के प्रचार के लिए उसने विदेश यात्राएं भी कीं। एटीएस सूत्रों ने बताया कि छांगुर की पूछताछ के आधार पर 4 संदिग्धों के नेपाल से बने पासपोर्ट की जानकारी सामने आई है, जिनके जरिए उन्हें दुबई की यात्रा की और कराई गई। एटीएस अब इन चारों की तलाश और विदेश कनेक्शन की कड़ी पड़ताल कर रही है। उसकी बलरामपुर की कोठी से एटीएस को शिजर-ए-तैय्यबा किताब मिली है। इसी के जरिए वह लव जिहाद के लिए मुस्लिम युवकों और हिंदू युवतियों का ब्रेनवॉश करता था। इस किताब को उसने खुद छपवाया था। छांगुर और गैंग के खातों की पड़ताल शुरू- सूत्रों के अनुसार- पूछताछ में जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने एटीएस को बताया- 'जो करोड़ों के ट्रांजैक्शन हुए हैं, वे सब डोनेशन के तौर पर अलग-अलग खातों में आए। इसका उपयोग धार्मिक आयोजनों और प्रचार के लिए किया गया। एटीएस को संदेह है कि इसी धार्मिक आयोजन के नाम पर धर्म परिवर्तन की जमीन तैयार की जाती थी। बहरहाल, छांगुर और उसके गैंग के लोगों के खातों की पड़ताल शुरू हो गई है।'मंगलवार को एटीएस टीम ने छांगुर बाबा और नीतू उर्फ नसरीन को लेकर बलरामपुर के मधपुर गांव स्थित कोठी पर तीन घंटे की सघन जांच की। इस दौरान उस कमरे की पहचान कराई गई, जहां ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण कराया जाता था। नीतू की भूमिका पर फोकस किया गया कि कैसे वह गरीब महिलाओं और परिवारों को फंसाती थी। पूरे परिसर की फिजिकल वेरिफिकेशन और बयान से मेल कराई गई। कोठी से लौटने के बाद दोनों आरोपियों को लखनऊ एटीएस मुख्यालय लाया गया, जहां इंटरनेशनल लेन-देन, फंडिंग नेटवर्क और रिक्रूटमेंट सिस्टम पर पूछताछ जारी है। शुक्रवार को तीसरा दिन है। एटीएस ने एनआईए कोर्ट से 10 जुलाई से 16 जुलाई तक की कस्टडी रिमांड ली है।5 साल से धर्मांतरण का खेल खेलने वाला छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन अब सिर्फ एक आरोपी नहीं, एक सुनियोजित साम्राज्य का मास्टरमाइंड साबित हो रहा है। यूपी एटीएस की पूछताछ में जो खुलासे हो रहे हैं, वो न सिर्फ धर्मांतरण के जरिए अवैध कमाई तक सीमित हैं, बल्कि अब यह मामला एक नाबालिग लड़की के जरिए विरासत कब्जाने की साजिश तक पहुंच गया है।बाबा ने धर्म, दहेज और दावा का ऐसा जाल बिछाया जिसमें भक्तों की भावनाएं, जमीनें और उनकी संतानें तक मोहरा बना दी गईं। अब मामला दुबई कनेक्शन से लेकर रोहरा दंपती, अहमद खान और 100 करोड़ की अवैध संपत्तियों की जांच तक पहुंच चुका है। सवाल है कि क्या ताबीज लेने के बाद रोहरा दंपती को बेटी हुई तभी वे छांगुर के मुरीद बन गए। एटीएस प्रमुख अमिताभ यश ने कहा है कि बाबा के खिलाफ दर्ज एफआईआर की कॉपी ईडी को सौंपी जा चुकी है और जल्द ही अवैध संपत्तियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी। लेकिन, इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल है-बाबा के निशाने पर रही रोहरा दंपती की नाबालिग बच्ची आखिर इस समय कहां है?बताया जा रहा है कि नवीन रोहरा और नीतू नसरीन ने जब बाबा से संपर्क किया, तब उनके कोई संतान नहीं थी। ऐसे में सवाल है कि क्या बाबा ने उन्हें ताबीज दिया तब बच्ची पैदा हुई। उसके बाद शुरू हुआ भावनात्मक कब्जे का खेल। बाबा ने बच्ची को 'अपनी कृपा' बताया। अब सामने आ रहा है कि वह उस बच्ची को ही अपने परिवार में मिलाकर करोड़ों की विरासत को कब्जे में रखना चाहता था। एटीएस के मुताबिक, छांगुर बाबा की संपत्तियों के दस्तावेज मिलने के बाद जांच यूपी से बाहर के राज्यों और दुबई तक फैल गई है। बाबा ने धर्मांतरण से मिले विदेशी फंड को जमीनों और संपत्तियों में लगाया। अब ईडी इस पूरे ट्रांजैक्शन की जांच कर रही है। छांगुर बाबा और नीतू उर्फ नसरीन 7 दिन की एटीएस रिमांड पर हैं। पूछताछ अब तक धर्मांतरण के नेटवर्क से निकलकर 'बाबा की अगली पीढ़ी में प्रभाव बनाए रखने की योजना' तक पहुंच चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, बाबा बलरामपुर के रोहरा दंपती की बच्ची को अपनी बेटी के बेटे से निकाह कराकर उसे 'वंश की कड़ी' बनाना चाहता था। मोहम्मद अहमद खान वही व्यक्ति बताया जा रहा है, जिसकी मदद से छांगुर बाबा का पैसा चलता रहा। जब छांगुर का खाता सीज हो गया था, तो मोहम्मद अहमद खान इसके लिए ट्रांजैक्शन करता था। सूत्रों के अनुसार, वही इस समय उस नाबालिग बच्ची की देखभाल भी कर रहा है।स्थानीय लोगों का दावा है कि बाबा की कोठी में रोजाना बाहरी लोगों का आना-जाना था। जब लोगों ने इसकी शिकायत की, तो उल्टे उन्हीं पर मुकदमे लाद दिए गए। बाबा के संरक्षकों में कुछ अफसरों और नेताओं की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।अब एटीएस के सामने ये 5 सबसे अहम सवाल- नाबालिग लड़की कहां है? क्या वह किसी खतरे में है? क्या संपत्ति हस्तांतरण उसी के नाम या संबंध में था? अहमद खान और उसके सहयोगियों की भूमिका क्या थी? बाबा के पीछे कौन था जो उसे संरक्षण दे रहा था? क्या ये एक पीढ़ीगत 'कब्जा सिंडिकेट' है जो धर्म की आड़ में चल रहा था?

10वीं के छात्रों ने आई-फोन के लिए चेन लूटी,व्यापारी की 10 लाख की चेन 2.70 लाख में बेची

आगरा। दो छात्रों ने आईफोन खरीदने के लिए पार्क में घूम रहे आलू व्यापारी की चेन लूट ली। दोनों ने 10 लाख की चेन 2.70 लाख रुपए में एक सुनार को बेच दी। पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाले। इसमें दो नाबालिग चेन लूटने के बाद बाइक पर भागते दिखे। पुलिस ने बाइक के नंबर से आरोपियों का पता लगाया। आरोपी आईफोन खरीदने जा रहे थे तभी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों 10वीं और 11वीं में पढ़ते हैं। पुलिस चेन खरीदने वाले सुनार की तलाश कर रही है। लूट की ये घटना जोनल पार्क ताजनगरी फेज-2 की है।विश्वकर्मापुरम ताजगंज निवासी महेंद्र सिंह आलू के बड़े कारोबारी हैं। शुक्रवार सुबह वह जोनल पार्क में टहलने गए थे। करीब 7.25 बजे वो जैसे ही पार्क से बाहर निकले। तभी पीछे से बाइक पर दो युवक आए और गले से चेन तोड़कर फरार हो गए। महेंद्र सिंह शोर मचाते हुए उनके पीछे भागे, लेकिन बाइक सवार बदमाश फरार हो गए। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। डीसीपी सिटी सोनम कुमार भी मौके पर पहुंचे। पीड़ित व्यापारी ने पुलिस को बताया कि सोने की चेन करीब 100 ग्राम की थी, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपए है।पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी खंगाले। पार्क के बाहर एक कैमरे में दो नाबालिग बाइक से जाते दिखे। पुलिस ने बाइक का नंबर निकाला और लुटेरों को 10 घंटे में ही पकड़ लिया। आरोपियों में एक 10वीं में और दूसरा 11वीं का छात्र है। दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। उन्होंने आईफोन खरीदने के लिए ही व्यापारी की चेन लूटी थी। दोनों नाबालिग छात्रों से पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की। आरोपियों ने बताया कि चेन लूटने के बाद हम लोग एक सुनार के पास गए। उसे 2.70 लाख रुपए में चेन बेच दी। पैसे लेकर हम लोग आईफोन खरीदने जा रहे थे। तभी पुलिस ने पकड़ लिया।छात्रों ने बताया- हम लोग एक दिन पार्क में घूमने आए थे। तभी वहां टहल रहे व्यापारी को सोने की मोटी चेन पहने हुए देखा था। इसके बाद उनके मन में आईफोन खरीदने का आइडिया आया। फिर व्यापारी को निशाना बनाने की ठान ली। इसके बाद उसके आने-जाने पर नजर रखते थे। हम लोगों ने देखा कि व्यापारी रोज सुबह पार्क में टहलने आता है। इसके बाद शुक्रवार सुबह हमने चेन लूट ली। डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि पकड़े गए चेन लुटेरे नाबालिग हैं। दोनों ने आईफोन खरीदने के लिए लूट की थी। दोनों को बाल सुधार गृह भेजा जा रहा है।

कानपुर में बारिश के चलते रेलवे ट्रैक धंसाःकालिंदी एक्सप्रेस रोकनी पड़ी, 10 से ज्यादा ट्रेनों का आवागमन रुका

कानपुर। कानपुर के चौबेपुर में मरियानी गांव अंडरपास के पास बारिश के चलते रेलवे ट्रैक धंस गया। रेलवे ट्रैक धंसने की जानकारी कर्मचारियों को होने से ट्रैक पर आ रही कालिंदी एक्सप्रेस को रोका गया, इससे बड़ा हादसा होने से टल गया।इस वजह से इस रूट की एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें प्रभावित हुईं। मरम्मत कार्य होने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया, तब जाकर कालिंदी एक्सप्रेस में सवार यात्रियों ने राहत की सांस ली। दहशत के कारण कई यात्री ट्रेन से उतरकर सड़क मार्ग से गंतव्य को निकल गए।चौबेपुर क्षेत्र में मरियानी अंडरपास के पास शनिवार सुबह लगभग 9:15 बजे कानपुर की तरफ जा रही कालिंदी एक्सप्रेस तेज ब्रेक के साथ अचानक ठहर गई। ट्रेन से उतर कर देखा तो पाया कि रेलवे ट्रैक डैमेज है। काफी देर तक ट्रेन खड़ी रहने की आशंका के चलते सैकड़ो यात्री अन्य वाहनों से अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए। रेलवे सेक्शन अभियंता विकास कुमार के अनुसार मरियानी अंडरपास के पास लगातार बारिश होने से मिट्टी बैठ गई और इस वजह से रेलवे ट्रैक धंस गया। रेलवे के ट्रैकमैन को इसकी जानकारी मिल गई। रेलवे ट्रैक धंसने की जानकारी रेलवे के अफसरों ने दी। इस दौरान रेलवे ट्रैक पर आगे बढ़ रही कालिंदी एक्सप्रेस को जहां पर ट्रैक धंसा था उससे कुछ दूर पहले ही रोक दिया गया। समय रहते ट्रैक धंसने की जानकारी मिलने से बड़ा ट्रेन हादसा टल गया। रेलवे प्रशास ने ट्रैक धंसने की जानकारी मिलते ही मरम्मत का काम शुरू करा दिया। इस दौरान करीब एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें प्रभावित हुईं।इस दौरान लगभग 35 मिनट तक कालिंदी एक्सप्रेस खड़ी रही। ट्रैक दुरुस्त होने के बाद ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। उसके बाद पैसेंजर और एक्सप्रेस सहित दो ट्रेन और गुजर चुकी हैं। रेलवे ट्रैक पूरी तरह से दुरुस्त है। अब किसी प्रकार की दिक्कत नहीं है।

जस्टिस वर्मा को हटाने की तैयारी शुरू,लोकसभा में प्रस्ताव आएगा सांसदों के साइन कराए जा रहे,21 जुलाई से शुरू होगा मानसून सत्र

परिवार की अनुमति के बिना कोई भी नहीं आ सकता था, इसलिए एक जज के स्टोर रूम में नोट रखना लगभग असंभव है, क्योंकि हर समय गेट पर तैनात 1प्लस 4 सुरक्षा गार्ड और एक पीएसओ निगरानी रखता हैं। पुलिस में रिपोर्ट नहीं की: जस्टिस वर्मा ने स्टोर रूम से कैश मिलने की घटना को षड्यंत्र कहा, लेकिन पुलिस में कोई रिपोर्ट नहीं की। चुपचाप इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर भी स्वीकार कर लिया। नकदी का कोई हिसाब नहीं था, जस्टिस वर्मा इसका हिसाब देने में असमर्थ थे। बल्कि यह कहा कि किसी ने उनके खिलाफ साजिश की थी।स?मिति ने 55 गवाहों के बयान दर्ज किए। इनमें दिल्ली फायर सर्विस के 11, दिल्ली पुलिस के 14, सीआरपीएफ के 6, जस्टिस वर्मा के घरेलू व कोर्ट स्टाफ के 18 लोग, जस्टिस वर्मा व उनकी बेटी आदि शामिल हैं।दिल्ली फायर सर्विसेज के अफसर अंकित सेहवाग ने 23 मार्च का बयान दर्ज करते वक्त बताया, ' मुझे प्रदीप कुमार और परविंदर मलिक (दमकल कर्मचारी) ने बताया कि स्टोर रूम में आग लगी है। वहां करेंसी नोट जल रहे हैं। मैंने टॉर्च की रोशनी में जाकर देखा। वहां बहुत सारे 500 रुपए के नोट आधे जले हुए थे। पानी से नोट गीले हो गए थे और आग से कुछ हिस्से जले थे, पर साफ दिख रहा था कि ये 500 रु. के नोट थे। सीआरपीएफ और सुरक्षा कर्मी ने बताया, 'स्टोर रूम के दरवाजे पर ताला रहता था। कोई बिना अनुमति नहीं जा सकता था। कुछ ने दरवाजा तोड़ने में मदद की ?थी।'तब के सीजेआई ने जस्टिस वर्मा को हटाने की सिफारिश की थी अधजले नोट मिलने की खबर सामने आने के बाद उस समय के सीजेआई संजीव खन्ना ने मामले की जांच के लिए 22 मार्च को पैनल बनाया था। पैनल ने 4 मई को सीजेआई को अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसमें जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया था। रिपोर्ट के आधार पर 'इन-हाउस प्रोसीजर' के तहत सीजेआई खन्ना ने सरकार से जस्टिस वर्मा को हटाने की सिफारिश की थी। जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधवालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की जज जस्टिस अनु शिवरामन थीं। 2018 में भी 97.85 करोड़ रुपए के घोटाले में नाम जुड़ा था इससे पहले 2018 में गाजियाबाद की सिम्भावली शुगर मिल में गड़बड़ी के मामले में जस्टिस वर्मा के खिलाफ सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स ने मिल में गड़बड़ी की शिकायत की थी। शिकायत में कहा था कि शुगर मिल ने किसानों के लिए जारी किए गए 97.85 करोड़ रुपए के लोन का गलत इस्तेमाल किया है। जस्टिस वर्मा तब कंपनी के नॉन-एजीक्यूटिव डायरेक्टर थे। इस मामले में सीबीआई ने जांच शुरू की थी। हालांकि जांच धीमी होती चली गई। फरवरी 2024 में एक अदालत ने सीबीआई को बंद पड़ी जांच दोबारा शुरू करने का आदेश दिया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को पलट दिया और सीबीआई ने जांच बंद कर दी।

लखनऊ में देर रात चेन स्नेचर का हाफ एनकाउंटर

लखनऊ। आलमबाग इलाके में शुक्रवार देर रात पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। बदमाश लंबे समय से लूट की घटना में फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर पकड़ने पहुंची पुलिस पर बदमाश ने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी। जिसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा दिया गया है।छोटा बारा आलमबाग निवासी मीरा कटियार कटिहार से 3 जून को बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने चेन लूट ली थी। इसके बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। शुक्रवार देर रात आलमबाग क्षेत्र में गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जो 3 जुलाई को आलमबाग क्षेत्र में महिला के गले से चेन खींचकर भागा था। वह चैन को बेचने के लिए उसी मोटरसाइकिल ग्लैमर से दुनटुनिया फाटक से लंगड़ा फाटक के रास्ते से कहीं जाने वाला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उस व्यक्ति को रोकने का प्रयास किया तो वह व्यक्ति पुलिस वालों को देखकर तेजी से मोटरसाइकिल मोड़कर कर भागने का प्रयास किया और मोटरसाइकिल फिसल कर गिर गई। इसके बाद व्यक्ति उठ कर पुलिस वालों पर जान से मारने की नीयत से तमंचा निकालकर पर फायर किया। जवाबी फायरिंग में पुलिस ने एक राउंड फायर किया। जिससे उस व्यक्ति के पैर में गोली गई और घायल होकर गिर गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान डीआरएम पुलिया कनौसी थाना कृष्णा नगर निवासी सत्येंद्र उर्फ कालिया पुत्र मुनेश्वर के रूप में गई।

मजाक में मामी से हो गए थे संबंध,लखनऊ पुलिस का दावा,रेलवे कर्मचारी की हत्या का फरार आरोपी अरेस्ट

लखनऊ। लखनऊ के बंथरा इलाके में करीब डेढ़ महीने पहले चतुर्थ श्रेणी रेल कर्मचारी सिद्धि प्रसाद लोधी की हत्या के एक अन्य आरोपी को भी बंथरा पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। उसे शुक्रवार को जेल भेज दिया गया है। इस मामले की आरोपी सिद्धि प्रसाद की पत्नी और उसका प्रेमी 4 जून को ही जेल भेजे जा चुके हैं। इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि दरियापुर निवासी चतुर्थ श्रेणी रेलवे कर्मी सिद्धि प्रसाद लोधी (38) का शव 24 मई की देर शाम उसके घर के पीछे करीब 50 मीटर दूर तालाब किनारे झाड़ियों में अर्धनग्न अवस्था में पड़ा मिला था। उसके सिर और शरीर पर कई जगह चोटों के निशान थे। उसकी पत्नी मंजू देवी ने हत्या की आशंका जताते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की तो पारा के नरपत खेड़ा निवासी आकाश वर्मा उर्फ लकी का नाम सामने आया। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो आकाश ने सिद्धि की पत्नी मंजू देवी और सरोजनीनगर में सिपेट चौराहे के पास किराए पर रहकर नादरगंज स्थित कंपनी में काम करने वाले गोंडा के करनैलगंज स्थित सुदीया सकरौरा निवासी दोस्त संजय कश्यप के साथ मिलकर हत्या करने की बात कबूली।तब 4 जून को पुलिस ने आकाश और सिद्धि की पत्नी मंजू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने संजय की तलाश शुरू कर दी, लेकिन वह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस को सर्विलांस की मदद से संजय के दिल्ली में होने की जानकारी मिली। तब पुलिस की एक टीम गठित कर दिल्ली भेजी गई, जहां टीम ने गुरुवार देर शाम उसको दिल्ली के सोनिया विहार, दूसरा पुस्ता से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस पूछताछ में संजय ने बताया कि वह और आकाश सरोजनीनगर के नादरगंज स्थित कंपनी में काम करते थे। वहीं दोनों का परिचय हुआ। उसने बताया कि मंजू रिश्ते में आकाश की मामी थी। इस वजह से आकाश उससे हंसी मजाक करता था, इसी बीच दोनों में प्यार हो गया। जब सिद्धि घर में नहीं होता तो आकाश उसके घर पहुंच जाता और रातभर रुकता था। इसी बीच मंजू ने पति सिद्धि से काफी परेशान होने के बात कही। उसने आकाश से कहा कि उसके पति का गांव की एक महिला से अवैध संबंध है और वह सारा पैसा जुए व अय्याशी में खर्च कर देता है। उसने आकाश से सिद्धि की हत्या करने को कहा और ऐसा न करने पर आत्महत्या करने की बात कही। तब आकाश ने संजय को रुपये का लालच देकर सिद्धि की हत्या के लिए राजी किया। संजय कश्यप ने बताया कि आकाश ने इसके एवज में उसे 40 हजार रुपये देने की बात कही और पहले ही 5 हजार रुपये मंजू से लेकर दे दिए। शेष रुपये बाद में देने को कहा।संजय ने बताया कि 24 मई की रात मंजू ने आकाश को फोन कर सिद्धि के अकेले होने की बात बताई थी। तब आकाश ने फोन कर संजय को बुलाया और दोनों दरियापुर गांव पहुंच गए। वहां आकाश, संजय और मंजू ने मिलकर प्लास्टिक की रस्सी से सिद्धि प्रसाद की गला कसकर हत्या कर दी। बाद में शव को उठाकर घर के पीछे स्थित सूखे तालाब के गड्ढे में फेंक दिया। इसके बाद आकाश ने लोहे की पाइप से सिद्धि के सिर पर भी कई वार किए, जिससे कि वह जिंदा न बच सके। संजय ने बताया कि इसके बाद घटना अंजाम देकर वह और आकाश गांव से बाहर निकले और दरियापुर पुल के पास रस्सी व पाइप फेंक दी। वह काफी डर गया था और पुलिस से बचने के लिए दिल्ली भाग गया। उसने अपना सिम दूसरे मोबाइल फोन में डाल लिया था और उसे बंद कर दिया। अपने पहले वाले फोन में दूसरा सिम डालकर चला रहा था। इसी के चलते पुलिस ने सर्विलांस सेल की मदद से उसको दिल्ली से धर दबोचा।

वाराणसी-लव ट्रैंगल में विवाहिता मौत, महिला थाने में ही खाया जहर, पुलिस ने ले लिया ये बड़ा एक्शन

वाराणसीः उत्तर प्रदेश के वाराणसी से लव ट्रैंगल में विवाहिता ने महिला थाने में ही जहर खा लिया। प्रेम संबंधों को लेकर महिला थाने में पूछताछ के दौरान एक विवाहिता के आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया। शुक्रवार को चौबेपुर क्षेत्र की रहने वाली 28 वर्षीय पूजा यादव ने महिला थाने में पूछताछ के बाद विषाक्त पदार्थ खा लिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने इस घटना के लिए कथित प्रेमी रोशन यादव को जिम्मेदार ठहराया है। पूजा के पिता ओमकार यादव की तहरीर पर चौबेपुर के ही भगवानपुर निवासी रोशन यादव के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।गुरुवार को पिपरी की एक तलाकशुदा महिला ने महिला थाने में शिकायत दी थी कि उसका प्रेम संबंध रोशन यादव से है, लेकिन रोशन की पूजा यादव से भी नजदीकी है। जब उसने इसका विरोध किया तो रोशन ने उससे झगड़ा किया। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को रोशन यादव और पूजा यादव को थाने बुलाया। दोपहर करीब 1:30 बजे पूजा अपने दो साल के बेटे के साथ थाने पहुंची, वहीं रोशन यादव भी वहां आया।थाने में प्रभारी निरीक्षक ने दोनों से एक साथ पूछताछ की, जिसके दौरान दोनों के बीच कहासुनी भी हुई। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, दोपहर 2:20 बजे पूजा थाने के बाहर पेड़ के नीचे बैठी दिखी और कुछ देर बाद बाहर निकल गई। शाम करीब 4:30 बजे वह थाने परिसर में स्थित डीसीपी काशी जोन कार्यालय के सामने बेहोश पड़ी मिली।पूजा के मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिसकर्मी उसे तत्काल कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूजा के पिता की तहरीर पर पुलिस ने रोशन यादव के खिलाफ आईपीसी की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत केस दर्ज कर लिया है। डीसीपी काशी जोन ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।पूजा यादव की कोतवाली स्थित महिला थाने में जहरीला पदार्थ खाने से मौत की खबर मिलते ही डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल, एडीसीपी महिला अपराध नम्रिता श्रीवास्तव और एसीपी कोतवाली प्रज्ञा पाठक मौके पर पहुंचे। डीसीपी ने कहा कि रोशन यादव पर केस दर्ज कर अरेस्ट कर लिया गया है। उससे पूछताछ हुई है। शिकायतकर्ता महिला का उसके पति से तलाक हो चुका है। उससे एक बेटा भी है। डीसीपी ने कहा कि उससे भी पूछताछ होगी।पूजा यादव का मायका भगवतीपुर में है। 2018 में उसकी शादी गोबरहां के रामदयाल से हुई। उससे उसका दो बच्चा है। महिला थाने में बुलाए जाने की सूचना पूजा ने न तो मायके में दी और न ही ससुराल में। छह साल का बड़ा बेटा ससुराल में ही था। वह डेढ़ साल के बेटे को लेकर थाने पहुंची थी। परिजनों का कहना है कि पूजा का पति रामदयाल नासिक में फल बेचता है। सूचना के बाद वह वाराणसी के लिए निकल गया है। पिता ने बताया कि दो बेटी और दो बेटों में पूजा सबसे बड़ी थी। पुलिस ने पूजा को कथित तौर पर बुआ बताया। हालांकि, परिजनों ने इससे इनकार किया है।

लखनऊ में खुले में कचरा फेंकते पाए गए तो मौके पर ही होगा चालान, नगर निगम हुआ सख्त

लखनऊ। अब खुले में कचरा फेंकने वालों की खैर नहीं। लखनऊ नगर निगम ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करेगा। चाहे घर हो, दुकान हो, रेस्टोरेंट हो या कोई सार्वजनिक जगह, अगर कोई भी कचरा फैलाता हुआ पाया गया तो उसका मौके पर ही चालान कर दिया जाएगा। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने यह आदेश जारी किया है।यह आदेश इसलिए जारी किया गया क्योंकि नगर आयुक्त गौरव कुमार हाल ही में निरीक्षण के दौरान गंदगी देखकर नाखुश थे। श्रीवास्तव ने अधिकारियों से कहा है कि वे कड़ी नजर रखें और नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें। नए नियमों के अनुसार, घरों, दुकानों और खाने के स्टॉलों से निकलने वाला कचरा केवल तय जगहों पर और तय समय पर ही फेंका जाना चाहिए। सड़कों, नालों या किसी भी सार्वजनिक जगह पर कचरा फेंकना सख्त मना है। अगर कोई ऐसा करते हुए पकड़ा गया तो उसका चालान काटा जाएगा। इसके बाद जिला अदालत जुर्माना या सजा तय करेगी।खाने के विक्रेताओं को भी अपने स्टॉल के आसपास सफाई रखने के लिए कहा गया है। अगर उनके स्टॉल के पास कोई बचा हुआ खाना या कचरा मिला तो कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह, सार्वजनिक जगहों पर निर्माण सामग्री, प्लास्टिक या अन्य ठोस चीजें फेंकने पर भी रोक लगा दी गई है। इस तरह का कचरा केवल तय जगहों पर ही डाला जाना चाहिए। बिना अनुमति के पोस्टर लगाने या दीवारों पर लिखने पर भी जुर्माना लगेगा। जोनल अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों को रोजाना जांच करने और किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। जल्द ही सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने, शिकायत प्रणाली को बेहतर बनाने और लोगों को जागरूक करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया जाएगा।

समीकरण-, केशव प्रसाद मौर्य को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप बीजेपी साधेगी एक तीर से दो निशाने?

लखनऊ। सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं जोरों पर चल रही है। चर्चा है कि यूपी बीजेपी अध्यक्ष के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। सूत्रों की माने तो बीजेपी अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा हो सकती है। बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि बीजेपी के लिए दोनों रास्ते खुले हैं। इसके साथ ही एक दूसरी चर्चा यह भी जोरों पर है कि यूपी के पूर्व बीजेपी अध्यक्ष और मौजूदा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को दोबारा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिल सकती है। हालांकि इसका फैसला बीजेपी नेतृत्व को लेना है। वहीं बीजेपी केशव मौर्य को संगठन में भेजकर मुख्यमंत्री चेहरे के लिए योगी आदित्यनाथ का रास्ता साफ कर देगी। इस तरह बीजेपी एक तीन से दो निशाने साध देगी।दरअसल उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की हाल की मुलाकातों ने सूबे की राजनीति का पारा बढ़ा दिया है। केशव मौर्य ने 8 जुलाई को गृहमंत्री अमित शाह से बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से अहम मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर अहम चर्चा हुई है।अमित शाह से मुलाकात के बाद केशव मौर्य ने खुद स्वीकार किया है कि 2027 में 2017 दोहराने और यूपी में जीत हैट्रिक लगाने पर चर्चा हुई है। 2017 में केशव प्रसाद मौर्य यूपी बीजेपी के अध्यक्ष थे और उन्ही की अगुवाई में बीजेपी ने ऐतिहासक जीत दर्ज की थी। ऐसे में केशव के बयान ने ही उन्हें फिर प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने की चर्चाओं को हवा दे दी है।वहीं प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री व मौजूदा राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने बीजेपी अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति पर बड़ा बयान दिया है। एनबीटी ऑनलाइन से बात करते हुए दिनेश शर्मा ने बताया कि बीजेपी की एक चयन प्रक्रिया है, सबसे बात करने के बाद केंद्रीय नेतृत्व इसपर निर्णय लेता है। बीजेपी किसी भी योग्य कार्यकर्ता को अध्यक्ष बना सकती है। बीजेपी में संविधान के अनुसार पूरी प्रक्रिया होती है। सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली है। केंद्रीय नेतृत्व कभी भी निर्णय ले सकता है। उन्होंने बताया कि बीजेपी अध्यक्ष के लिए जितने प्रदेशों में चुनाव होना चाहिए था, वो चुनाव हो चुके हैं। इसलिए अब राष्ट्रीय का भी एलान कर सकते हैं और प्रदेश का भी एलान कर सकते हैं। इसका फैसला राष्ट्रीय नेतृत्व को लेना है, उनके लिए दोनों रास्ते खुले हैं।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बीजेपी में ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा चेहरा माना जाता है। प्रदेश में पिछड़े वर्ग की बड़ी आबादी है और पार्टी को 2017 और 2019 में इस वर्ग से भरपूर समर्थन मिला था। ऐसे में जब समाजवादी पार्टी पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के जरिए बीजेपी के ओबीसी वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रही है। तब केशव प्रसाद मौर्य को सामने लाकर बीजेपी पिछड़े वर्ग को साधने की रणनीति पर काम कर सकती है।केशव मौर्य 2017 में जब यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष थे, उस वक्त पार्टी ने 403 में से 312 सीटें जीतकर रिकॉर्ड कायम किया था। वे जमीन से जुड़े नेता माने जाते हैं, जो गली-गली जाकर संगठन को खड़ा करने की क्षमता रखते हैं। इसीलिए पार्टी फिर से 2027 में वैसी ही जीत दोहराने के लिए उनके अनुभव और पकड़ का फायदा उठाना चाहती है।बीजेपी में जहां एक ओर अमित शाह जैसे आक्रामक रणनीतिकार हैं, वहीं राजनाथ सिंह जैसे संतुलनकारी चेहरे भी पार्टी की दिशा तय करते हैं। केशव मौर्य दोनों के बीच संवाद बनाए रखने में सक्षम हैं। हाल ही में उनकी अमित शाह और राजनाथ सिंह से बैक-टू-बैक मुलाकातें इस बात का संकेत हैं कि मौर्य संगठन और सरकार दोनों के बीच संतुलन साधने में माहिर हैं। केशव प्रसाद मौर्य की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वे संघ और संगठन की नर्सरी से निकले नेता हैं। उनकी छवि एक साधारण कार्यकर्ता से लेकर उपमुख्यमंत्री तक की यात्रा करने वाले नेता की है। यह बात उन्हें जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बेहद लोकप्रिय बनाती है। पार्टी को ऐसे ही चेहरे की तलाश है जो कार्यकर्ताओं को फिर से ऊर्जा दे सके।2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी अब मिशन मोड में आ चुकी है। वहीं विपक्ष खासकर अखिलेश यादव का पीडीए फार्मूला बीजेपी के परंपरागत वोट बैंक के लिए चुनौती बन रहा है। ऐसे में मौर्य को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर बीजेपी विपक्ष को सामाजिक समीकरणों के स्तर पर भी कड़ी टक्कर देने की रणनीति पर काम कर रही है।केशव प्रसाद मौर्य को संगठन में भेजने की सबसे मुख्य वजह मुख्यमंत्री दावेदारी को लेकर आपस में टकराव माना जा रहा है। बीजेपी नेतृत्व योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता है लेकिन एक धड़ा केशव प्रसाद मौर्य को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की मांग कर रहा है। समय-समय पर बीजेपी के भीतर से ऐसी आवाजे उठती भी रही है। ऐसे में बीजेपी केशव मौर्य को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप कर योगी आदित्यनाथ का रास्ता साफ कर देना चाहती है।

प्रेमिका से मिलन नहीं हुआ तो 'राज कपूर' ने खा लिया जहर, मौत

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। मूढ़ापांडे थाना क्षेत्र में प्रेमिका से शादी न होने से गुस्साए युवक ने जहर खाकर जान दे दी। युवक और युवती प्रेम करते थे। दोनों शादी करना चाहते थे। युवक का परिजन शादी के लिए तैयार हो गए थे। लेकिन, लड़की के परिजनों ने शादी से इनकार कर दिया। इससे नाराज होकर युवक ने जहर खा लिया। इसके बाद उसके ही स्थिति बिगड़ने लगी। परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।मुरादाबाद जिले के मूढ़ापांडे थाना क्षेत्र के गणेश घाट गांव निवासी राज कपूर पुत्र श्रीपाल की जहर खाने से मौत का मामला है। राज कपूर इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। राज कपूर के परिजनों से पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार राज कपूर का एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों एक-दूसरे के साथ रहना चाहते थे। बात शादी तक पहुंच गई थी।परिजनों ने कहा कि गुरुवार दोपहर करीब 2:00 बजे लड़की राज कपूर के घर आ गई। लड़की राज कपूर से शादी करने की जिद पर अड़ी हुई थी। बेटी के युवक के घर पहुंचने की सूचना मिलते ही उसके परिजन भी वहां पहुंच गए।युवक के परिजनों ने लड़की के परिवार वालों से शादी करने का प्रस्ताव रखा। दोनों के एक-दूसरे से प्यार करने का वास्ता दिया, लेकिन लड़की के परिजनों ने शादी से मना कर दिया। लड़की के परिजन उसे लेकर चले गए। इसके बाद युवक हंगामा करने लगा। राज कपूर हर हाल में लड़की से शादी करना चाहता था।पसंद की लड़की से शादी न हो पाने से गुस्साए राज कपूर खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया। कुछ देर बाद उसने जहर खा लिया। जहर खाने के बाद उसकी स्थिति बिगड़ने लगी। परिवार के लोगों ने उसकी स्थिति तो घबरा गए। आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। एसओ मूंढ़ापांडे राजीव कुमार शर्मा ने इस मामले में कहा कि एक युवक की मौत की सूचना मिली थी। पोस्टमार्टम में जहर से मौत की पुष्टि हुई है। एसओ ने कहा कि युवक के परिवार वालों ने प्रेस प्रेम प्रसंग में जहां जहर खाने की बात कही है। हालांकि, मामले में कोई तहरीर नहीं मिलने की भी बात सामने आई है।

राजनाथ सिंह का लखनऊ दौरा शुरू, प्रबुद्ध जनों से संवाद-रामलीला मैदान में हुआ भव्य कार्यक्रम,केजीएमयू पहुंचकर पूर्व एमएलसी का हाल जाना

लखनऊ। रक्षा मंत्री एवं लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने अपने दो दिवसीय दौरे की शुरुआत शनिवार को ऐशबाग रामलीला मैदान में 'प्रबुद्ध जन संवाद' कार्यक्रम से की। कार्यक्रम में भारी संख्या में नागरिक, बुद्धिजीवी और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। मंच पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे। ब्रजेश पाठक ने कहा कि यह कार्यक्रम भाजपा के स्थानीय नेतृत्व और आम जनता के बीच सेतु का काम करेगा। उन्होंने संगठन और सरकार के साझा प्रयासों की सराहना की। प्रबुद्ध सम्मेलन के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ के केजीएमयू अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने गांधी वार्ड में भर्ती भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधान परिषद सदस्य विंध्यवासिनी कुमार की कुशलक्षेम जानी। उन्होंने डॉक्टरों से स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली और परिजनों से भी मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, एमएलसी रामचंद्र प्रधान, मुनेश्वर शर्मा, विधायक ओपी श्रीवास्तव, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, भाजपा नेता रजनीश गुप्ता समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम और केजीएमयू दौरे ने यह संकेत भी दिया कि लखनऊ में भाजपा का सांगठनिक ढांचा मजबूत और सक्रिय है। राजनाथ सिंह के दौरे को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया, वहीं जनता से सीधा संवाद उनकी लोकप्रियता को और मजबूत करता दिखा। शनिवार को सुबह 11 बजे रक्षा मंत्री लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से वह सीधे ऐशबाग स्थित रामलीला मैदान चले गए जहां भाजपा कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध जनों के साथ संवाद कर रहे हैं। यह कार्यक्रम पार्टी संगठन और लोकसभा क्षेत्र के विकास कार्यों पर केंद्रित है।

लखनऊ- जम के हुई बारिश,नाले में बहा आदमी,नगर निगम के चीफ इंजीनियर बोले- पता नहीं सही है या झूठ

लखनऊ। ठाकुरगंज के राधा ग्राम इलाके में नाले में एक आदमी बह गया। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद भी नगर निगम और पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इसपर नाराज लोगों ने सड़क जाम कर दी। लोगों का आरोप है कि घटना के दो घंटे बाद पुलिस टीम पहुंची। तीन घंटे बाद नगर निगम की टीम पहुंची थी। इसके बाद से लगातार एनडीआरएफ,एसडीआरएफ और स्वेज इंडिया की टीम का रेस्क्यू अभियान जारी है, लेकिन व्यक्ति अभी तक नहीं मिला है। नगर आयुक्त ने कहा कि जगह-जगह नाले में खोजने के लिए टीमें लगाई गई हैं। वहीं, चीफ इंजीनियर ने कहा है कि पता नहीं यह सही है या झूठ ही कह रहे हैं।सुरेश (32) राधाग्राम में अपनी पत्नी तीन बच्चों और मां-बाप के साथ में रहते थे। वह घटना स्थल के बगल ने ही स्थित पान की दुकान पर काम करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह के समय पर वह काम करने के लिए दुकान पर आ रहा था तभी यह हादसा हो गया। इस दौरान मौके पर लोगों ने हंगामा और रोड जाम किया, जिसके बाद रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। सुरेश की पत्नी रेणु ने बताया कि उनके पति खाना खाकर काम पर जा रहे थे। जिस दुकान पर काम करते हैं, उसके पास ही नाले का स्लैब टूटा हुआ था, जिसमें पांव फिसलने से गिर गए और उसी में बह गए।सुरेश की पत्नी का कहना है कि दो बार शिकायत के बाद भी नाले का स्लैब नहीं बना था। अपने घर के सामने का नाला हमने खुद के पैसे से बनवाया है। उनका आरोप है कि कोई सुनवाई नहीं करता है। मेरे बच्चे छोटे हैं, परिवार में कोई कमाने वाला नहीं है। उनका कहना है कि मंजू टंडन पर जाम लगाने के बाद पुलिस और नगर निगम की टीम पहुंची थी। स्थानीय निवासी मनोज वर्मा का कहना है कि यह नाले का स्लैब डालने का काम नगर निगम और पार्षद का है, लेकिन कोई सुन नहीं रहा है। इसके कारण व्यक्ति नाले में बह गया। वहीं, सुरेश के परिवार के लोगों ने मौके पर नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी की। उनका कहना है कि सब नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही से हुआ है।नगर निगम के चीफ इंजीनियर महेश वर्मा ने बताया कि हादसे की सूचना मिली थी लेकिन अभी या स्पष्ट नहीं है कि व्यक्ति नाले में ही गिरा है या नहीं। उनका कहना है रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। स्थानीय लोगों द्वारा लगातार नाले पर स्लैब नहीं डालने की शिकायत के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि नाला सिर्फ 4 फीट लंबा है। व्यक्ति के मिलने के बाद ही चीजें स्पष्ट हो सकेंगी। व्यक्ति के नशे में होने की बात भी कुछ लोग कह रहे हैं।

कांग्रेस नेता अजय राय समेत 10 पर केस दर्ज,प्रदर्शन करना पड़ा भारी,पीएमओ पर लगाया आरोप

वाराणसी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एक बार फिर से कानूनी दांव पेंच में उलझते नजर आ रहे है। सावन से पहले काशी की सड़कों पर गड्ढों में उतर कर प्रदर्शन करने पर अजय राय समेत 10 लोगों पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद अजय राय ने इसे तानाशाही रवैया करार देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के इशारे पर किया गया कृत्य बताया। अजय राय ने काशी के लोगों से भी अपील की कि प्रशासन के भरोसे स्नानार्थियों और कांवड़ियों को न छोड़े बल्कि स्वयं कांवड़ियों को सुविधा देकर काशी का सम्मान बचाए।एनबीटी ऑनलाइन से बात करते हुए अजय राय ने कहा कि सावन का महीना शुरू हो गया है। प्रशासन सिर्फ कागजों और रिलीज के माध्यम से प्रचार कर रहा है। सभी सड़क, शिविर में व्यवस्था दुरुस्त है, लेकिन आप शहर के अंदर आने वाले किसी भी मार्ग से प्रवेश करिए कांवड़ियों को गड्ढे वाले सड़क या सीवर युक्त सड़कों को पार करना पड़ रहा है।साथ ही कहा कि जो शिविर बनाए गए हैं, उनमें लाइट और पीने के पानी की कमी है। चितरंजन पार्क से लेकर गोदौलिया कैंट स्टेशन सभी सड़कों पर गड्ढे और सीवर का पानी भरा है। इसी व्यवस्था को दिखाते हुए हम लोगों ने जागरूकता का काम किया।

मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए

गर्म रहा, वहीं अपने देश में सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना- वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ पिघलने की घटनाएं सामने आईं।वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इससे पहले मार्च, अप्रैल और फरवरी भी इतिहास के सबसे गर्म महीनों में शामिल रहे। भारत में फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, जैसे राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

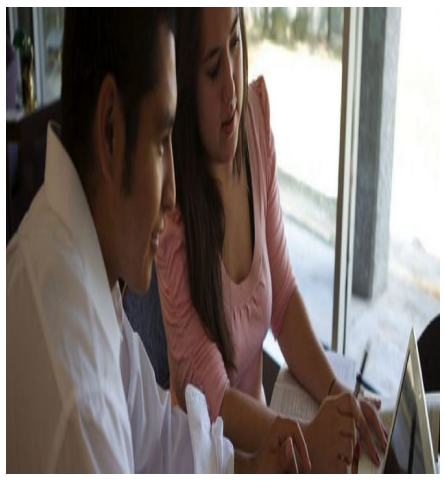

जो दिखेगा वही बिकेगा, तो दूसरे कलाकारों का क्या?जब मैं बड़ा हो रहा था, रेडियो सीलोन पर बिनाका

गीतमाला में अमीन सयानी गाना सुनाने से पहले गाना बनाने वालों का नाम बताते थे- गीतकार, संगीतकार और गायक। बरसों तक ये परंपरा रही। का पतन शुरू हो गया था। कथावाचक, कथा से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया। अब मोहभंग का दौर है- वाचकों से, नायकों से। अब शिकायत कथा से सकते। अब सामर्थ्य धन के पास है और धन आता है थंबनेल से। थंबनेल पर क्लिक कौन करता है? दर्शक। सबसे ताकतवर शख्स।

धीरे-धीरे साहिर, अनजान, आनंद बख्शी, नक्श लायलपुरी से बात बढ़ते-बढ़ते यहां तक पहुंची कि 'चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है' गुलाम अली की गजल बन गई, हसरत मोहानी का जिक्र ही नहीं हुआ।जबकि हसरत मोहानी उस गजल से कहीं बड़े आदमी थे। 1921 में 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा उन्होंने ही दिया था। अब गाना अरिजीत सिंह का होता है या सोनू निगम का, गीतकार-संगीतकार का नाम बार-बार लेने में रेडियो-टीवी समय बर्बाद नहीं करते।जबकि प्रोग्राम अब ज्यादा समय के हो गए हैं। अमीन सयानी तो हफ्ते में एक बार ही आते थे। ऐसा नहीं है कि गुलाम अली या सोनू निगम का योगदान कम है, लेकिन दर्शक नेपथ्य के कलाकारों को जगह देगा, तो उनकी सामर्थ्य बढ़ेगी। ये थंबनेल का समय है। यूट्यूब या जहां कहीं भी दर्शक एक तस्वीर देख के वीडियो पर क्लिक करता है, एक व्यू बढ़ जाता है। कितने व्यू बने- इससे आमदनी तय होती है। थंबनेल की तस्वीर से तय होता है कि दर्शक ने क्यों क्लिक किया। यहीं से समस्या की शुरुआत होती है। जो दिखेगा, वो बिकेगा- तो अमिताभ भट्टाचार्य का क्या? इरशाद कामिल का क्या? उन तमाम नेपथ्य के कलाकारों का क्या? कुछ कलाएं ऐसी होती हैं, जिनके लिए पूरी टीम काम करती हैं। उसका श्रेय सिर्फ एक का नहीं होता। और जब दर्शक सिर्फ एक को श्रेय देना शुरू कर दे, तो सामर्थ्य का असंतुलन शुरू होता है। जब पहली बार न्यूज एंकरों की होर्डिंग लगी थी देश में, वहीं से टीवी पत्रकारिता

है। पर कथा की अकेले की सामर्थ्य कम हो चली है। उसे तो हमने ही पीछे छोड़ा ना? जमीन का जो पत्रकार था, जो सच लेकर आता था, वो या तो खत्म हो गया या वो भी वाचक बन गया। आज स्थिति ये है कि समाचार में संगीत बज रहा है। सोचिएगा, बहुत त्रासदी का विषय है। शिकायत करते हैं कि दर्शक की देर तक जुड़ने की क्षमता कम हो गई है। अटेंशन स्पान घट गया है। ये झूठ है। फिल्मों में निर्देशक तकलीफ में है। उसकी कुर्सी उसके नीचे से खींच ली गई है। वह बमुश्किल कहानी को बचाकर आप तक लाने का प्रयास कर रहा है। अकसर हार रहा है, कभी-कभी जीत भी जाता है। उसे दर्शक का हाथ चाहिए। फिल्में बनती कैसे हैं? एक व्यक्ति को कहानी कहनी होती है। उसके साथ कलाकार जुड़ते हैं, धन जुड़ता है और फिल्म बनती है। पर सिनेमा ऐसी कला है, जिसमें कई विधाओं की जरूरत होती है- और ढेर सारे धन की भी। करोड़ों रुपए। इतने पैसों में बड़े-बड़े उद्योग शुरू हो जाते हैं, जो सालों तक रोजगार और मुनाफा देते हैं। फिल्म को उद्योग मानें, तो उसकी उम्र दो-तीन साल की ही होती है। लेकिन फिल्म एक कला भी है, और कला कलाकार को बेचैन कर देती है। वो रास्ते निकाल लेता है। दिल से लिखी गई कहानी को समीकरण समझ में नहीं आते। कला प्रेम से उपजती है। वो श्रृंगार का प्रेम हो सकता है, विद्रोह का हो सकता है, असहमति का हो सकता है। प्रेम को समीकरण नहीं सिखाए जा

कलाकार वो करना चाहता है, जो पहले नहीं किया गया। धन वही करना चाहता है, जो पहले सफल रहा है। यही भयंकर मतभेद है। तो अब थंबनेल पर जिसकी तस्वीर है, वही सबसे महत्वपूर्ण बन गया है। कहानी अकेली पड़ गई है। फिर भी निर्देशक को उम्मीद रहती है कि वो अपनी कहानी कह पाएगा। कभी-कभी वो कह भी लेता है। अच्छी फिल्में बन भी जाती हैं। लेकिन ज्यादातर मौकों पर निर्देशक हार जाता है। कभी आत्मसमर्पण कर देता है, कभी उसे पता भी नहीं चलता कि वो कब बह गया। पिछली दस फिल्में याद कीजिए, जो अच्छी लगी थीं। उनके निर्देशक-लेखक को खोजिए कि क्या बना रहे हैं अगली बार? हो सकता है आप थंबनेल की भूल-भुलैया में भटक गए हों। असल कहानियां आपको खोज रही हैं, आप उन्हें। दर्शक ताकतवर है। उसे थंबनेल के चक्रवात से बाहर निकलना होगा। लेखक और निर्देशक की सामर्थ्य बढ़ानी होगी। इसमें समय लगेगा... बस शुरू अभी करना होगा। जो कहानियां परदे तक पहुंच रही हैं, उनसे कहीं अच्छी कहानियां धक्के खा रही हैं। ताकत थंबनेल के पास है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा ताकत दर्शक के पास है कि वो किसे क्लिक करे। निर्देशक और कहानियों को आज दर्शक की ताकत चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं अनुभव सिन्हा)

गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम 16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त वो 1 से 16 तक

के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और यदि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थित 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद के भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?त्तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं। पर वित्त के मामले में ये 'इंफॉर्मेशन इन' और 'इंफॉर्मेशन आउट' का मामला ही है। इसीलिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण कर लेना एआई के लिए बहुत आसान होगा। हरारी का पूर्वानुमान है कि एक बार एआई वित्त क्षेत्र में हावी हुआ तो यह उन उपकरणों में निवेश शुरू कर देगा, गणितीय जटिलताओं के कारण मानव मस्तिष्क जिनसे निपटने में अक्षम है। अब ऊपर बताए पहाड़ों को देखें, जिन्हें दोहराना बंद करने के कारण हमारे बच्चे अंकों के साथ मजबूत रिश्ता नहीं बना पाए। मोबाइल ने नंबर्स याद रखने की हमारी मेमोरी छीन ली। कोई भी ये मानने से इनकार नहीं कर सकता कि एआई गणना कर सकने वाला एक एजेंट तो है, लेकिन ऐसा औजार नहीं जिसका नियंत्रण हमारे हाथों में हो।

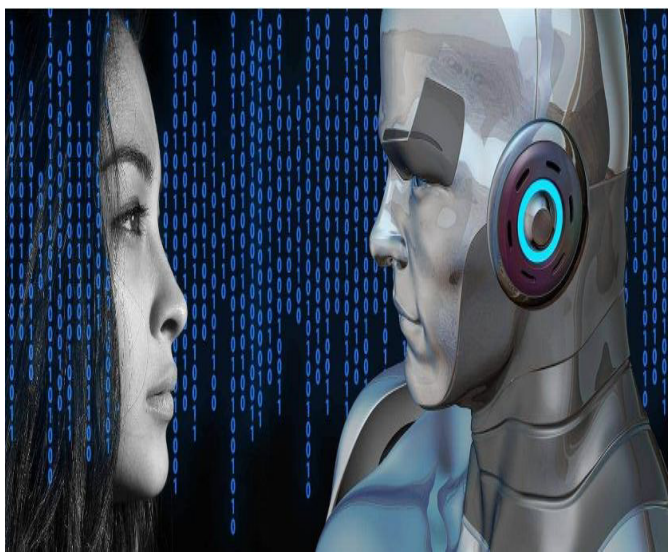

भारत अब 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है

(पलकी शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही घाना, त्रिनिदाद एंड टोबेगो,

अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आठ दिनों की उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। यह सिर्फ कूटनीतिक मैराथन ही नहीं थी, बल्कि भारत के इरादों की स्पष्ट घोषणा भी थी। वैश्विक बदलावों और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। कई द्विपक्षीय बैठकें, ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता और चार राष्ट्रीय सम्मान- मोदी की यह यात्रा ?कई मायनों में प्रभावी रही है। लेकिन इसमें एक और बड़ी कहानी निहित है। यह रणनीतिक महत्वकांक्षाओं, भू-राजनीतिक संदेशों और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका का कथानक है। 1. एक ऐसी दुनिया में जिसमें अकसर आतंकवाद के पीड़ितों और प्रायोजकों में भेद नहीं किया जाता, मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने आतंकवाद पर राजनीति नहीं करने पर जोर दिया। यह पाकिस्तान पर परोक्ष किंतु अचूक निशाना था। उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि हर सार्वजनिक संबोधन में इसे बार-बार दोहराया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की यह दूसरी बड़ी विदेश यात्रा भी थी, जिसने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया। 2. भारत लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भर रहा है। ऐसे में जबकि चीन व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है, यह निर्भरता कम करना जरूरी है। यहीं पर घाना और नामीबिया हमारे लिए जरूरी हो जाते हैं। घाना में हीरा, मैंगनीज और लीथियम के भंडार हैं। नामीबिया में यूरेनियम, तांबा और सोना हैं। दोनों ही देशों में मोदी ने बड़े सहयोग की बात कही है, खासतौर पर हीरे के क्षेत्र में। यह ऐसी नई आपूर्ति श्रृंखला रणनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है, जिसमें खनिज सुरक्षा भी है और जो चीन पर हमारी निर्भरता भी कम करती है। 3. इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य विकासशील देशों में भारत के नेतृत्व को मजबूत करना था। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में मौजूद इन देशों का एक साझा औपनिवेशिक अतीत है और अकसर इनकी गिनती आर्थिक विषमता और वैश्विक स्तर पर कम प्रतिनिधित्व वाले देशों में होती है। मोदी ने इसी साझा इतिहास की ओर संकेत करते हुए वैश्विक संस्थानों में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने सिर्फ भू-राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सभ्यतागत सहानुभूति के आधार पर भी एकजुटता की बात कही। स्वयं अपने एक औपनिवेशिक इतिहास के कारण भारत यह बहुत अच्छी तरह से कर सकता है। 4. ब्रिक्स में भारत की भूमिका को अकसर सावधानी के चश्मे से देखा जाता है। चीन और रूस जहां वैश्विक व्यवस्था में पूरी तरह से उलटफेर चाहते हैं, वहीं भारत अंदरूनी सुधारों की वकालत करता है। इस समिट में मोदी सिर्फ इसलिए ही प्रभावी नहीं रहे, क्योंकि वहां पुतिन और शी जिनपिंग गैर-मौजूद थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने कुशल स्टेट्समैन की भूमिका निभाई।

बड़ी लड़ाई में हारकर छोटी सफलताएं बटोर रहा है पाक

आश्चर्य की ही बात कहलाएगी कि पाकिस्तान अपने घरेलू सियासी संघर्षों और घिसटती अर्थव्यवस्था के बावजूद अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों की नजर में एक प्रमुख क्षेत्रीय खिलाड़ी बना हुआ है।

यही कारण था कि वह 193 में से 182 सीटों के बड़े समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट जीतने में सफल रहा। जनवरी से दो साल के लिए इसका कार्यकाल शुरू होगा। पहलगाम हमले के कुछ ही सप्ताह बाद संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को यूएन 1373 आतंकरोधी समिति का उपाध्यक्ष और 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। यह बताता है कि स्वयं संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों में से सबसे ज्यादा को पनाह देने वाले पाकिस्तान को विश्व को कैसे देखता है। यह भारतीय कूटनीति की विफलता को भी बताता है। लेकिन अंदरूनी तौर पर पाकिस्तान में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। मई 2023 में इमरान खान की गिरफ्तारी के वक्त पाकिस्तान में भारी राजनीतिक उथल-पुथल मची थी। बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिनमें कई सेवारत फौजियों के परिजन भी शामिल थे। कई सैन्य ठिकानों, रावलपिंडी स्थित जीएचक्यू और कोर कमांडर के घर तक पर हमले हुए। 2024 में पाकिस्तान नेशनल असेंबली के चुनाव में भी ऐसी ही अशांति देखी गई थी। भले ही इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ का चुनाव चिह्न छिन गया, लेकिन इसके बावजूद उसके द्वारा समर्थित 100 निर्दलीय चुनाव जीते। यह असेंबली की कुल सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा हिस्सा था। ये तब है जब चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के पक्ष में हेराफेरी हुई थी। पीएमएल (एन) और बिलावल भुट्टो की गठबंधन सरकार अब विश्वसनी?यता खो रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि हाल के भारत-पाक संघर्ष को भुना कर खुद को फील्ड मार्शल बनाने वाले आसिम मुनीर जल्द ही इस सरकार को हाशिए पर धकेल दें। भारत के साथ टकराव के बाद पाकिस्तान अपनी जीत-हार को लेकर भले कुछ भी कहता हो, लेकिन तथ्य यह है कि भारत ने ना सिर्फ पाकिस्तानी मिसाइलों, ड्रोन हमलों से अपनी सफलतापूर्वक सुरक्षा की, बल्कि पाकिस्तान की एयर डिफेंस प्रणाली को भी ध्वस्त कर दिया। लड़ाई खत्म होते-होते भारत इस स्थिति में आ गया था कि वह पाकिस्तान में जहां चाहे, हमला कर सकता था। भारत ने रावलपिंडी में पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय के समीप नूरखान और कई अन्य हवाई ठिकानों पर हमला कर इसे साबित भी कर दिया। लेकिन इस सबके बावजूद पाकिस्तान इस लड़ाई को लेकर दुनिया के सामने अपना नैरेटिव पेश करने में बेहतर रहा।

जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार

निभाते हुए काल्पनिक मसाज करने वाले कैरेक्टर के हिसाब से पटकथा लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।' क्या आप भौंहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे। आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है। फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है? कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने को लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी। यदि आप असमंजस में है तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' मसाज का सबसे अच्छा अनुभव चाहते हैं तो 'इमर्स मोड' को चुनें। पहले आधे समय में ये अधिक कसरत के कारण शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी। पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है। लेकिन उन सुगंधित क्रीम के बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज के लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी। लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सके।

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

11 साल में मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि का अमित शाह ने कर दिया खुलासा... बिहार, बंगाल, तमिलनाडु चुनाव पर क्या कहा जानिए

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'द न्यू इंडियन एक्सप्रेस' को एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर कई बातें कहीं। उन्होंने सरकार के काम, चुनावी रणनीति और दक्षिणी राज्यों से जुड़े मुद्दों पर बात की। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने देश और दुनिया में कई बदलाव किए हैं। उन्होंने पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार के काम का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव पर भी रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि बिहार के साथ-साथ बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव भी हमारे पक्ष में हैं। जानिए इंटरव्यू की बड़ी बातें।अमित शाह ने इस सवाल के जवाब में कहा कि 2014 से पहले भारत के भविष्य को लेकर लोगों में शक था। पत्रकारों, वैज्ञानिकों, छात्रों, किसानों और कारोबारियों को भी चिंता थी। पूरी दुनिया को लगता था कि भारत का भविष्य अच्छा नहीं है। पीएम मोदी के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोगों का विश्वास वापस दिलाना था। आज 140 करोड़ लोगों को लगता है कि भारत 2047 तक विकसित देश बन सकता है।शाह ने कहा कि दुनिया भी भारत को तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मानती है। पिछले 11 सालों में यह सबसे बड़ा बदलाव है। हर क्षेत्र में सुधार हुआ है। चाहे वो अनाज उत्पादन हो, अंतरिक्ष में तरक्की हो, उद्योग हो, सुरक्षा हो, विदेश नीति हो या भ्रष्टाचार कम करना हो। शिक्षा और स्वास्थ्य के सवाल पर अमित शाह ने चीन की शिक्षा और स्वास्थ्य में तरक्की का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चीन में शिक्षा लगभग मुफ्त है और लाखों छात्र रिसर्च कर रहे हैं।

भारत में ये सब 2014 में शुरू हुआ। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने इतने सालों में क्या किया? अगर उन्होंने पहले से काम शुरू किया होता तो इतना काम नहीं बचा रहता।आय में असमानता के सवाल पर शाह ने रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि भारत में आय में असमानता अभी भी बहुत ज्यादा है। भारत अभी तक पूरी तरह से मध्यम आय वाला देश भी नहीं बन पाया है। उन्होंने कुछ आंकड़े दिए और बताया कि 2014 में स्वास्थ्य बजट 37,000 करोड़ रुपये था, जो अब 1 लाख करोड़ रुपये है।अमित शाह ने कहा कि कृषि बजट 22,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर बजट 2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। पिछले 10 साल में सरकार ने 60 करोड़ गरीब लोगों को घर, गैस, बिजली, पानी, 5 किलो मुफ्त राशन और 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया है। इससे 14 करोड़ परिवारों को बुनियादी जरूरतों से मुक्ति मिली है। उन्होंने पिछली सरकारों पर अटैक करते हुए कहा कि पहले सिर्फ नारे लगाए जाते थे, लेकिन काम नहीं होता था।भाषा विवाद पर अमित शाह ने रिएक्ट किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भाषा को लेकर कोई लड़ाई नहीं है। देश को भारतीय भाषाओं में चलना चाहिए। उन्होंने चीन, रूस, जापान, जर्मनी और फ्रांस से सीखने की बात कही। सरकार सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करती है। दक्षिण भारत को अपनी भाषाओं में चलना चाहिए। दो राज्यों को तेलुगु में, तमिलनाडु को तमिल में और केरल को मलयालम में काम करना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी की स्थिति वहां अलग है। शाह ने कहा कि सरकार ने सीएपीएफ कांस्टेबल जीडी की परीक्षा 13 भाषाओं में कराई है। जेईई,नीट और यूसीजी की परीक्षाएं 12 भाषाओं में होती हैं। एनईपी में प्राथमिक, तकनीकी और मेडिकल शिक्षा क्षेत्रीय भाषाओं में देने का प्रावधान है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी की तैयारियों का जिक्र किया। शाह ने कहा कि बीजेपी बिहार, तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में अच्छा प्रदर्शन करेगी। असम में भी उनकी पार्टी फिर से जीतेगी। उन्होंने ऐलान किया कि तमिलनाडु में ध्ंश्इख और बीजेपी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। उनकी पार्टी भारी बहुमत से जीतेगी। तमिलनाडु के लोग भ्रष्टाचार, खराब कानून व्यवस्था, भाई-भतीजावाद और पारिवारिक झगड़ों से तंग आ चुके हैं।अमित शाह ने कहा कि अगर उनकी पार्टी तमिलनाडु में जीतती है तो वो सरकार में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वो दूसरी पार्टियों को भी साथ लाने की कोशिश करेंगे। तमिलनाडु में सबसे बड़ा मुद्दा डीएमके का भ्रष्टाचार है। उन्होंने कई घोटालों का जिक्र किया। वहीं पश्चिम बंगाल को लेकर शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के खिलाफ लोगों में गुस्सा है और बीजेपी को इसका फायदा मिलेगा। बिहार में एनडीए जरूर जीतेगी। बीजेपी का अगला अध्यक्ष कौन... शाह ने दिया ये जवाब बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव पर शाह ने चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव जल्द होगा। अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है और किसी नाम पर विचार नहीं किया गया है। आरएसएस से मतभेद के मुद्दे पर शाह ने दो टूक कहा कि आरएसएस और बीजेपी में कोई मतभेद नहीं है। जनगणना के मुद्दे पर गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने लोगों की मांग पर जाति जनगणना शुरू की है। उन्होंने कहा कि ये एक जनगणना होगी जिसमें जाति के बारे में सवाल होंगे।

ऑनलाइन लूडो में बिहार के युवक को दिल दे बैठी यूपी की खुशी, पति को छोड़ की शादी, अब 4 साल बाद मिला 'धोखा'!

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले के अम्बा थाना क्षेत्र के तेलहारा गांव में एक अनोखी प्रेम कहानी सामने

आई है। यूपी के गोंडा जिले की रहने वाली खुशी उपाध्याय की पहली शादी 2020 में हुई थी। पति निजी कंपनी में काम करता था। वह दोनों गोंडा शहर में किराए के मकान में रहते थे। पति के काम पर चले जाने के बाद खुशी घर में अकेली रह जाती थी। खुशी ने अकेलेपन को दूर करने के लिए ऑनलाइन लूडो खेलना शुरू किया। इसी दौरान उसकी पहचान बिहार के औरंगाबाद के राजीव कुमार से हुई। बातचीत बढ़ी और एक-दूसरे से नंबर शेयर कर दोनों नियमित संपर्क में आने लगे। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। महिला ने बताया कि उसका पति अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। राजीव ने महिला की पीड़ा को समझा और सहानुभूति जताई। एक दिन राजीव ने शादी का प्रस्ताव दे दिया, जिसे महिला ने थोड़े हिचकिचाहट के बाद स्वीकार कर लिया। पति की प्रताड़ना से परेशान होकर महिला ने पति का घर छोड़ दिया और औरंगाबाद आकर राजीव से शादी कर ली।शादी के बाद महिला को राजीव के घरवालों ने भी बहू के रूप में स्वीकार कर लिया। हालांकि, राजीव ने अपनी पत्नी की पहली शादी की बात छुपा ली थी। शादी के कुछ समय बाद राजीव पुणे में नौकरी करने चला गया, लेकिन त्योहारों में घर आता था। इस दौरान उनके दो बच्चे हुए- ढाई साल की बेटी और एक साल का बेटा।महिला का दावा है कि पुणे में राजीव का एक अन्य युवती से संपर्क हुआ, जिसने उस पर छेड़खानी का मामला दर्ज करा दिया। इसके बाद राजीव जेल गया और तीन महीने बाद छूटकर घर लौट आया। उसने पुणे की नौकरी छोड़ ऑटो चलाना शुरू किया। महिला का आरोप है कि राजीव अपनी कमाई घरवालों को देता है और उसे कुछ नहीं देता। साथ ही घरवालों से झूठ बोलता है कि वह पत्नी को भी खर्च देता है।पीड़िता खुशी उपाध्याय ने बताया कि अब राजीव और उसके घरवाले उससे मारपीट करने लगे हैं और उसे घर से निकाल दिया गया है। एक दिन जब वह अपने बेटे को दूध पिला रही थी, तब उसका देवर गाली-गलौज करने लगा और विरोध करने पर पिटाई करवा दी। इसके बाद राजीव ने उसे अम्बा में किराए के मकान में शिफ्ट कर दिया। महिला का कहना है कि वह किराए के मकान में अकेले नहीं रहना चाहती और अपने पति के घर में रहना चाहती है। उसने यह भी आरोप लगाया कि राजीव ने ढाई साल की बेटी को अपने पास रख लिया है और कानूनी कागजात भी बनवा लिए हैं। महिला अब केवल अपने एक साल के बेटे के साथ है औरराजीव कुमार ने खुशी के सभी आरोपों को खारिज किया है। उसने कहा कि अगर पत्नी से कोई परेशानी होती, तो वह शादी नहीं करता। उसने स्वीकार किया कि कुछ समय पहले विवाद हुआ था और इसी कारण उसे अम्बा में किराए का कमरा दिला दिया गया। राजीव का कहना है कि वह ऑटो चलाकर पूरे परिवार और बच्चों का खर्च उठाता है, लेकिन पत्नी हर रोज पैसे की मांग करती है और अनावश्यक खर्च करती है। औरंगाबाद महिला थाना की थानाध्यक्ष आरती कुमारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर जांच चल रही है। पति को बुलाया गया है और दोनों पक्षों से बातचीत की जा रही है। अगर बात नहीं बनी तो कानूनसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

नेपाली गोरखा की भारतीय सेना में भर्ती नहीं, लेकिन पूर्व सैनिक अब भी बने हुए हैं दोनों देशों के बीच की कड़ी

नई दिल्ली। भारतीय सेना में नेपाली गोरखा की भर्ती तो बंद है, लेकिन अभी भी पूर्व सैनिक भारत और नेपाल के बीच की कड़ी बने हुए हैं। करगिल विजय दिवस से पहले भारतीय सेना की टीम नेपाल भी पहुंची। करगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त 18 नेपाली गोरखा सैनिकों के परिवार वालों से भारतीय सेना की टीम ने नेपाल जाकर मुलाकात की और उन्हें स्मृति चिन्ह भी भेंट किया।इनमें करगिल युद्ध में बहादुरी के लिए मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित हवलदार भीम बहादुर दीवान और सेना मेडल से सम्मानित राइफलमैन पृथा बहादुर के परिजन भी शामिल हैं। हवलदार भीम बहादुर के परिवार वालों से मिलने सेना

की टीम ईस्टर्न नेपाल के कोशी में गई। वहीं राइफलमैन पृथा के परिवार वालों से मिलने वेस्टर्न नेपाल के कुशमा में पहुंची।भारतीय सेना ने करगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर एक विशेष अभियान चलाया। जिसमें सेना की तरफ से एक टीम करगिल में वीरगति प्राप्त वीरों के घर गई और उनके परिजनों से मुलाकात की। साथ ही उन्हें धन्यवाद पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया।इस अभियान में सेना की टीमें भारत में 25 राज्यों, 2 केंद्र शासित प्रदेश और नेपाल में जाकर वीर सैनिकों के परिवार वालों से मिली। भारतीय सेना के इस अभियान का मकसद उन 545 वीर सैनिकों के परिवार वालों को सम्मानित करना है जिन्होंने करगिल युद्ध में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। परिवार वालों से वीर शहीदों की यादों और विरासत से जुड़ी चीजें भी ली गई और इसे द्रास स्थित करगिल वॉर मेमोरियल में सम्मानपूर्वक जगह दी जाएगी। देश हर साल 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस मनाता है।करीब तीन साल पहले जब इंडियन आर्मी में भर्ती का तरीका बदला और अग्निपथ स्कीम के जरिए अग्निवीरों की भर्ती शुरू हुई, तभी से ही भारतीय सेना में नेपाली मूल के गोरखा की भर्ती नहीं हो पाई है।अग्निपथ स्कीम के तहत नेपाल अपने युवाओं को नहीं भेजना चाहता। लेकिन नेपाल आर्मी और इंडियन आर्मी में संबंध पहले की तरह ही जारी हैं। पिछले साल इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी नेपाल गए थे और उसके बाद नेपाल आर्मी चीफ जनरल अशोक राज सिगडेल भारत आए। दोनों देशों की आर्मी एक-दूसरे के आर्मी चीफ को मानद जनरल की उपाधि देती है।

आज का मौसम 13 जुलाई 2025- रिमझिम बारिश के बावजूद दिल्ली-एनसीआर में सता रही उमस भरी गर्मी... राजस्थान-झारखंड में मॉनसून सबसे ज्यादा मेहरबान

नयी दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव दिखाई दे रहे हैं।राजस्थान में मॉनसून जुलाई तक भारी बारिश होने के

एनसीआर में रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी है। हालांकि बीच-बीच में कड़ी धूप भी निकल रही है, जिससे उमस भरी गर्मी का अहसास हो रहा है। 12 जुलाई से लेकर 17 जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, हर दिन गरज-चमक के साथ बारिश या तेज बौछारों की संभावना जताई गई है। अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी और उमस काफी परेशान कर सकती है।बारिश की वजह से दिल्ली और की गंभीर समस्या सामने आ रही है। प्रमुख सड़कों, अंडरपास और कॉलोनियों में पानी भर गया है, जिससे यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। वाहन चालकों को लंबा समय ट्रैफिक में बिताना पड़ रहा है, और कई जगहों पर वाहन बंद भी हो गए। दिल्ली एनसीआर में नोएडा-गाजियाबाद के साथ-साथ गुरुग्राम में भी स्थिति बेहद चिंतनीय बनी हुई है। लंबे-लंबे ट्रैफिक जाम और अंडरपास और सड़कों पर भर पानी के चलते वाहन चालक काफी ज्यादा परेशान और समस्या से जूझते की बारिश का दौर जारी है जहां बीते 24 घंटे में अनेक स्थानों पर हल्की से भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र ने कहा कि पूर्वी राजस्थान के अधिकतर भागों में आगामी 2 सप्ताह के दौरान मानसून सक्रिय रहने और औसत से अधिक बारिश होने की संभावना है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के अधिकतर भागों में भी आगामी एक सप्ताह में मॉनसून सक्रिय रहने और सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है।आईएमडी ने झारखंड के कुछ हिस्सों में 13 से 15 पूर्वानुमान मद्देनजर 'येलो अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि राज्य में गुमला, खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में 13 जुलाई के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। वहीं, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, देवघर, दुमका, जामताड़ा, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में 14 जुलाई के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में राजनीतिक-धार्मिक उद्देश्य के लिए राष्ट्रीय ध्वज के इस्तेमाल पर रोक की मांग, 14 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 14 जुलाई को उस याचिका पर सुनवाई करेगा, ध्वज का पूर्ण सम्मान किया जाए। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई,

जिसमें केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी राजनीतिक दल या धार्मिक संगठन द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के 'राजनीतिक या धार्मिक उद्देश्यों' के लिए उपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के कदम उठाएं। तीन जजों की बेंच करेगी सुनवाई याचिका में संबंधित अधिकारियों को राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 और भारतीय ध्वज संहिता,2002 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने के निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राष्ट्रीय न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी।याचिका में एक अनुरोध यह भी किया गया, 'भारत सरकार और भारत निर्वाचन आयोग सहित प्रतिवादियों को एक उचित रिट, आदेश या निर्देश जारी करें ताकि किसी भी राजनीतिक दल या धार्मिक संगठन द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का राजनीतिक या धार्मिक उद्देश्यों के लिए उपयोग रोका जा सके। इसमें पार्टी के लोगो, धार्मिक प्रतीकों या किसी भी प्रकार के लेख को राष्ट्रीय ध्वज पर लगाने जैसे कृत्य शामिल हैं।'

केरल के सीबीएससी स्कूलों में पद पूजा अनुष्ठान पर विवाद,गुरु पूर्णिमा पर रिटायर्ड टीचर के पैर धुलवाए, मंत्री बोले- यह निंदनीय, लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ

तिरुवनंतपुरम। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने राज्य के दो सीबीएससी स्कूलों में गुरु पूर्णिमा पर स्टूडेंट से सेवानिवृत्त शिक्षकों के पैर धुलवाने को निंदनीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि इस पर स्कूल प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी घटनाओं को गंभीरता से ले रही है। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को जागरूक और प्रगतिशील बनाना है। इस तरह की गतिविधियां हमारी शिक्षा प्रणाली के मूल उद्देश्यों को कमजोर करती हैं।दरअसल कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया कि गुरु पूर्णिमा पर कासरगोड और मावेलिक्कारा में भारतीय विद्यानिकेतन प्रबंधन के दो सीबीएससी स्कूलों में पद पूजा (पैर धोने) का अनुष्ठान हुआ था। इसके सामने आते ही विवाद बढ़ गया। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने भी कहा कि यह अनुष्ठान आरएसएस-नियंत्रित स्कूलों में किया गया था। बच्चों को सेवानिवृत्त शिक्षकों के पैर धोने के लिए मजबूर करना निंदनीय है।शिक्षा एक ऐसा अधिकार है जिसके लिए उस समय से संघर्ष किया गया और जीता गया जब जाति व्यवस्था के नाम पर साक्षरता से वंचित रखा जाता था। इस अधिकार को किसी के पैरों तले नहीं रौंदा जाना चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों में ऐसी गतिविधियों को दोबारा होने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।शिवनकुट्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि सामान्य शिक्षा विभाग को ऐसे किसी भी सिलेबस वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है जो शिक्षा के अधिकार अधिनियम और नियमों का पालन नहीं करते हैं।

मुकदमेबाजी कम करने के लिए लॉ मिनिस्ट्री ने जारी किए निर्देश, विभाग के सचिवों को भेजे गए गाइडलाइंस

नई दिल्ली। लॉ मिनिस्ट्री ने केंद्र सरकार की विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को सरकार के मंत्रालयों/विभागों और उनके अधीनस्थ कार्यालयों तथा स्वायत्त

दिशा निर्देश जारी किए हैं ताकि वैसे मामले जहां सरकार पक्षकार है उसमें मामले का जल्द निपटारा सुनिश्चित हो सके। विधि और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी एक कार्यालय ज्ञापन मेमोरेंडम में कहा गया है कि यह मानक संचालन प्रक्रिया अनावश्यक मुकदमों को रोकने और आपसी विभागीय समन्वय को बेहतर बनाने में मदद करेगी। विभाग के सचिवों को भेजे गए गाइडलाइंस केंद्र सरकार के लॉ के डिपार्टमेंट ऑफ लीगल अफेयर्स की ओर से केंद्र सरकार के अलग अलग विभाग के सचिवों को भेजे गए गाइडलाइंस में कहा गया है कि यह निर्देश एक ऐसी प्रणाली स्थापित करने के लिए तैयार किया गया है जो केंद्र संस्थाओं मुकदमे को लेकर एक प्रभावी व कुशल व एकीकृत व कोऑर्डिनेशन वाला मैनेजमेंट सुनिश्चित हो ताकि अदालत के सामने जिन मामलों में सरकार पक्षकार है वैसे केस की पेंडेंसी को कम किया जा सके।गाइडलाइंस में कहा गया है कि प्रत्येक मंत्रालय/विभाग की विधिक शाखा को मामलों को तीन श्रेणियों में बांटना होगा जैसे अत्यंत संवेदनशील, संवेदनशील, और सामान्य। अत्यंत संवेदनशील मामलों (जैसे कि राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था, नीति या महत्वपूर्ण वित्तीय दांव से जुड़े मामले) की समीक्षा संबंधित सचिव द्वारा की जाएगी। सचिव सभी प्रासंगिक अधिकारियों की बैठक बुलाकर रणनीति बनाएंगे।

साप्ताहिक राशिफल

मेष- साहित्य का सर्जन करने और कलात्मक अधिगम में वृद्धि करने के लिए सप्ताह शुभ है ऐसा गणेशजी कहते हैं।

वृषभ-माता के स्वास्थ्य के विषय में चिंता रहेगी। स्थावर संपत्ति के दस्तावेज के पत्रों पर हस्ताक्षर करना संभवतः टालिएगा। नकारात्मक विचारों से बंधकर चलिएगा।

मिथुन-कार्यसफलता मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। प्रतिस्पर्धी भी आपसे पराजित होंगे। घर में विसंवादिता का वातावरण बना रहेगा।

कर्क-लंबे समय की योजनाओं के आयोजन के विषय में सोचते-सोचते आप द्विधापूर्ण मनःस्थिति में फँस जाएँगे। परिवारजनों के साथ वातावरण तनावपूर्ण रहेगा। निर्धारित कार्यों में विचारों की अपेक्षा कम सफलता मिलेगी।

सिंह-आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे ऐसा गणेशजी कहते हैं। आप प्रत्येक कार्य दृढ निर्णयशक्ति से करेंगे।

कन्या-आपका मन कुछ अधिक भावनाशील रहेगा। भावनाओं के प्रवाह में बहकर आप किसी अविचारी कार्य न कर बैठें इसके लिए सावधान रहिएगा।

तुला-प्रवास-पर्यटन पर जाने का तथा मित्रों से लाभ मिलने का सप्ताह है। व्यापार के क्षेत्र में आपको लाभ होगा। संतानों के साथ सम्बंध सुमधुर रहेंगे।

वृश्चिक-दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास से आप प्रत्येक कार्य सरलतापूर्वक पूर्ण करेंगे। व्यवसाय और व्यापार के क्षेत्र में भी आपकी बुद्धि-प्रतिभा को प्रशंसित किया जाएगा।

धनु- आपका के सप्ताह का व्यवहार धार्मिक रहेगा। किसी धार्मिक या मांगलिक प्रसंग में उपस्थित रहेंगे। आपका व्यवहार भी कुछ न्यायप्रिय रहेगा।

मकर-सप्ताह के लिए संभलकर चलने के लिए गणेशजी सूचन करते हैं। स्वास्थ्य के विषय में लापरवाह न रहिएगा और निषेधात्मक विचारों को अपने पर प्रभावी न होने दीजिएगा।

कुम्भ-साधारण सी बातों में दांपत्यजीवन में बात का बतंगड बन जाएगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। सांसारिक प्रश्नों और विषयों के लिए आप उदासीनवृत्ति से व्यवहार करेंगे तो अच्छा रहेगा।

मीन- आपका मन चिंतामुक्त रहेगा। शंका-कुशंकाओं की छाया के कारण प्रफुल्लितता का अनुभव नहीं होगा।

कैबिनेट मंत्री का पंचमुखी महादेव मंदिर पर मना पुर्नजन्मप्राप्त महोत्सव

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार के जनप्रिय कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल

गुप्ता नन्दी , का पुर्नप्रप्ति जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन वैश्य समाज उ0प्र0 के प्रदेश अध्यक्ष अजय केशरी का आग्रह पर भाजपा क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र बीएन गुप्ता द्वारा श्रावण मास के शनिवार को पंचमुखी महादेव मंदिर, सहिजन खुर्द, चुर्क सोनभद्र पर रूद्राभिषेक व भंडारा कराकर वैश्य समाज यूनिट सोनभद्र द्वारा मनाया जायेगा। 12 जुलाई 2010 को तत्कालीन बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे नन्दगोपाल गुप्ता नन्दी , पर दिन के करीब 11:00 बजे रिमोड बम से जान लेवा हमला हुआ था जब मंत्री अपने आवास के निकट मनोकामना सिद्ध प्राचिन शिव मंदिर से दर्शन पूजा कर घर लौट रहे थे। दिल्ली के चिकित्सको की कड़ी मशक्कत के बाद उनकी जान बच सकी थी। 7 माह 7 दिन तक अस्पताल में गंभीर अवस्था में भर्ती रहने के बाद जीवन संघर्ष कर अपने घर लौटे थे। नन्दी ने पूरी तरह स्वस्थ्य होने के बाद 2012 से 12 जुलाई को अपना पुर्नजन्म प्राप्त दिवस मनाना शुरू किए धीरे-धीरे महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाने लगा तथा अब उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदो में वैश्य समाज व्यावारी गण के अतिरिक्त सर्व समाज के लोग परम्परागत रूप से हर्षोउल्लास के साथ मनाने लगे। उक्त अवसर पर बी0एन0गुप्ता क्षेत्रीय मंत्री भाजपा ओ0बी0सी0 मोर्चा काशी क्षेत्र के अलावा, कमलेश मोहन, चेयरमैन जिलामहामंत्री, वैश्य समाज, ओमप्रकाश गुप्ता, जिलामिडिया प्रभारी, सुखनन्दन चौरसिया, जिला उपाध्यक्ष, रामसुन्दर निषाद जिलामहामंत्री भाजपा, बृजेश पाण्डेय , राजूबाबा समाज सेवी, खेमचन्द गुप्ता, जिला संरक्षक वैश्य समाज, वैजनाथ मद्धेशिया, जिलाध्यक्ष, हलवाई वैश्य समाज, वृजकिशोर गुप्ता, जिला मंत्री, डब्लू गुप्ता, जिलाउपाध्यक्ष, लल्लन गुप्ता, श्रवण गुप्ता, जिलाकोषाध्यक्ष, हिरावती देवी, आलोक सिंह, उमेश पटेल, रामाशकंर द्विवेदी, रामाशंकर केशरी, बीरबहादुर, दिलीप गुप्ता, रामवृक्ष चौधरी, आदि सैकड़ो वैश्य / व्यापारी गण एवं संभ्रांत नागरिक गण मौजूद रहे।

कांवड़ियों से वार्ता कर बेहतर सुविधाओं व सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किए,कावड़ यात्रा के दृष्टिगत प्रत्येक छोटी से छोटी घटनाओं पर गम्भीरता से कार्यवाही को निर्देश

सोनभद्र।मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल 'बालकृष्ण त्रिपाठी' व पुलिस

महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षत्र, मीरजापुर 'आर.पी. सिंह' द्वारा श्रावण मास/कावड़ यात्रा को निर्विघ्न/ सकुशल सम्पन्न कराये जाने के हेतु जनपद मीरजापुर व सोनभद्र से लगे घुड़करी बार्डर मुख्य कांवड़ मार्ग का भ्रमण कर यातायात व्यवस्था, ट्रैफिक डायवर्जन प्वाइंट, वाहन पार्किंग, बैरिकेटिंग व्यवस्था, कांवड़ मार्ग पर लगाये जा रहे चेतावनी/सांकेतिक बोर्ड आदि का निरीक्षण किया गया। श्रद्धालुओं के आने-जाने वाले रास्तों में सुगम यातायात व सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में दिए निर्देश-कांवड़ यात्रा के दौरान स्थानीय जनमानस को किसी प्रकार की असुविधा न हो यात्रा के दौरान यातायात संचालन, रूट व्यवस्था बिलकुल चुस्त दुरुस्त रखी जाए ताकि किसी भी श्रद्धालु को किसी प्रकार का कठिनाई न हो। उच्चाधिकारियों की गाइडलाईन का पूर्णतः पालन कराया जाए। प्रचलित श्रावण मास/कांवड़ यात्रा एवं आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत सोशल मीडिया पर वायरल वीडियों/पोस्ट पर सतर्क दृष्टि रखने तथा भ्रामक व गलत संदेश/सूचना को किसी भी प्लेटफार्म पर प्रसारित करने वाले के विरुद्ध त्वरित कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। वही आईजी ने बताया कि कांवड़ यात्रा को शांति,सुरक्षा और समर्पण के साथ सफल बनाना हमारी प्राथमिकता है। श्रद्धालुओं को सहयोग देना हमारा कर्तव्य है। श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि पुलिस व प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करें। सोशल मीडिया पर अफवाहों से बचें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर राधा कृष्ण मंदिर में संपन्न हुआ गुरु पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। श्रीदेवी संपन्न मंडल आश्रम राधा कृष्ण मंदिर छोटी बाजार रायबरेली में आज दिनांक 10 जुलाई 2025 आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर जो कि गुरु पूर्णिमा के नाम से प्रचलित है, पर संस्था के ब्रह्मलीन पूज्य स्वामी सहजानंद जी सरस्वती जी महाराज की मूर्ति पर पूजन अर्चन संपन्न किया गया । आचार्य पंडित इंद्र कुमार पाठक के नेतृत्व में पूजन प्रारंभ किया गया सर्वप्रथम मूर्ति पर गंगाजल से स्नान कराया गया इसके बाद चंदन , रोली,इत्र, समर्पित किया गया एवं गुलाब की माला पहनाई गई । लाल रंग का अचला भी पहनाया गया। आम ,केला ,मीठा प्रसाद का भोग लगाया गया । उसके पश्चात आरती की गई आरती में मुख्य रूप से मंजू शुक्ला, श्रीमती शिशिर शुक्ला, ईशान , इंजीनियर डीपी शर्मा, स्वामी विज्ञान आनंद, स्वामी शिवानंद, मोती एवं पुजारी सौरभ शुक्ला उपस्थित थे आचार्य जी के द्वारा स्वास्थ वचन का पाठ किया गया एवं गुरु वंदना का सस्वर उच्चारण किया गया।

जिला स्वच्छता समिति/जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) मैनेजमेंट कमेटी की बैठक सम्पन्न, लक्ष्य के सापेक्ष शीघ्र पूर्ण कराए शौचालय निर्माणःसीडीओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला स्वच्छता समिति/जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) मैनेजमेंट कमेटी की बैठक महात्मा गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत हुए कार्यो की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेस 2 के अंतर्गत फिकल स्लज मैनेजमेंट इकाई की स्थापना हेतु भूमि चयन के प्रस्ताव के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु चयनित मॉडल ग्रामों की प्रगति, व्यक्तिगत शौचालय हेतु प्राप्त आवेदन, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रगति, रिसोर्स रिकवरी सेंटर के संचालन की स्थिति, सीएससी संचालन की समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की प्रगति जानते हुए प्रबंधन में नवाचार को अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत शौचालय आवेदन में हुई कार्यवाही समय से पूरी कराई जाए। इनकी मोनिटरिंग भी की जाए।बैठक में जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, पीडी सतीश प्रसाद, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, स्वच्छ भारत मिशन सदस्य राघवेंद्र सिंह सहित सभी एडीओ पंचायत उपस्थित रहे।

गुरु मेरी पूजा, गुरु गोविंदा। गुरु मेरा पार ब्रम्ह, गुरु भगवन्ता।।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरु पूर्णिमा पर्व स्वामी स्वात्मानंद सूर्यप्रबोधाश्रम के फतेहपुर असनी स्थित आश्रम में बड़ी धूमधाम से मनाया गया।गुरुदेव भगवान द्वारा सुबह - सुबह दैनिक नित्यक्रम से निपट कर भक्तों को दर्शन प्रदान किया गया। आश्रम में शाम से ही सुदूर से भक्तगण उपस्थित होने लगे थे और अपने गुरु के दर्शन के लिए आतुर थे। हजारों की संख्या में उपस्थित अपने भक्तों को गुरु जी द्वारा निराश नहीं किया गया। भक्तों द्वारा गुरु जी का अभिषेक करते हुए चंदन का लेप, फूलमाला पहनाकर पूजन अर्चन किया गया।उनकी तथा आश्रम में अन्य ऋषियों के स्मारकों की आरती उतारी गई तथा प्रसाद का भोग लगाया गया। गुरु भगवान द्वारा सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया तथा अपने उद्बोधन में अनुशासन का पाठ पढ़ाया। गुरु ने भक्तों एवं शिष्यों के बीच संबंधों के बारे में विस्तार से बताया । आश्रम की तरफ से सभी भक्तों को पूड़ी,सब्जी,खीर का प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर सभागार में उपस्थित अन्य संतो का प्रवचन भी हुआ। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर हजारों की संख्या में बड़ी दूर से आए भक्त उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत फलदार और छायादार रोपित किए गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। आज लायंस क्लब इलाहाबाद एंजिल्स द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय हैवेट रोड प्रयागराज में वसुधा को हरा-भरा बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत फलदार और छायादार पौधे अमरूद, आँवला, आम, नीम, जामुन आदि रोपित किए गए। वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों को भी शामिल किया गया जिससे वो पौधे लगाने और पौधे के महत्व को समझ सके। इसके अतिरिक्त पर्यावरण जागरूकता के अंतर्गत पत्नी हटाओ - थैला अपनाओ मुहिम की कड़ी में विद्यालय के स्टाफ और कई अन्य लोगों को कपड़े के थैले दिए गए। वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में अध्यक्षा लायन अंजना शुक्ला, एनवायरमेंट चेयरपर्सन लायन मंजुला श्रीवास्तव, जोन चेयरपर्सन लायन शिवाली पीटर, जोन चेयरपर्सन लायन एस.पी. श्रीवास्तव एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। लायन अंजना शुक्ला अध्यक्ष (2025-26) लायंस क्लब इलाहाबाद एंजिल्स प्रयागराज।

14 जुलाई से दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन शिविर का आयोजन होगा प्रारम्भः डीएम

दिव्यांग बच्चों को चिकित्सकीय परीक्षण, दिव्यांग प्रमाण पत्र, सहायक उपकरण व अन्य योजनाओं के लाभ हेतु विशेष अभियान 14 जुलाई से 02 अगस्त तक : हर्षिता माथुर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन हेतु जनपद के ब्लॉक स्तर पर शिविर का आयोजन कर उनके चिकित्सकीय परीक्षण, दिव्यांग प्रमाण पत्र, उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण व अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु 14 जुलाई 2025 से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में विकास खण्ड परिसर में निर्धारित तिथियों में प्रातः 10:00 बजे से 03:00 बजे तक चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि निर्धारित तिथियों के अनुसार 14 जुलाई को विकास खण्ड परिसर अमावां में दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 15 जुलाई को विकास खण्ड परिसर बछरावां में, 16 जुलाई को छतोह में, 17 जुलाई को डलमऊ में, 18 जुलाई को डीह में, 19 जुलाई को दीनशाहगौरा में, 21 जुलाई को हरचन्दपुर में, 22 जुलाई को जगतपुर में, 23 जुलाई को खीरों में, 24 जुलाई को लालगंज में, 25 जुलाई को महराजगंज में, 26 जुलाई को राही में, 28 जुलाई को रोहनियां में, 29 जुलाई को सलोन में, 30 जुलाई को सरेनी में, 31 जुलाई को सतांव में, 01 अगस्त को शिवगढ़ में, 02 अगस्त को विकास खण्ड परिसर ऊँचाहार में चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा है कि चिन्हांकन शिवर में चिकित्सक दल द्वारा दिव्यांग बच्चों का चिकित्सकीय परीक्षण किया जायेगा। जिन बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं बने है उनका दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया जायेगा। जिन बच्चों के यू0डी0आई0डी0 कार्ड नहीं बने है उनके यू0डी0आई0डी0 कार्ड बनाये जायेंगे तथा दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकन कर लाभान्वित किया जायेगा। शिविर में पंजीकरण कराने हेतु दिव्यांग बच्चों को आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड दिव्यांग प्रमाण पत्र/यू0डी0आई0डी0 कार्ड की छायाप्रति एवं दिव्यांगता प्रदर्शित करती हुए 02 पास्पोर्ट साईज फोटोग्राफ लाना आवश्यक होगा।

जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा-06 में प्रवेश हेतु करें ऑनलाइन आवेदन

रायबरेली। जवाहर नवोदय विद्यालय रायबरेली के प्रभारी-प्राचार्य बी0के0 पाठक ने बताया है कि जवाहर नवोदय विद्यालय रायबरेली में सत्र 2026-27 में कक्षा-06 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 निर्धारित है।उन्होंने बताया कि केवल वही अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में प्रतिभाग कर पायेंगे जो ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करेंगे। अधिक जानकारी हेतु नवोदय विद्यालय समिति की अधिकारिक वेबसाइट https://navodaya.gov.in [eGve)es[keàe अवलोकन कर सकते है। आवेदन की जानकारी हेतु इन नम्बरों 8318660476, 9653059158, 9415524308 पर भी संपर्क कर सकते है।

आईडीबीआई बैंक की नैनी शाखा का भव्य शुभारंभ, ग्राहकों को मिलेगी बेहतर बैंकिंग सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी के कॉटन मिल क्षेत्र में आईडीबीआई बैंक की नई शाखा का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। इस मौके पर बैंक प्रबंधन द्वारा ग्राहकों को आधुनिक और बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। शाखा का भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में प्रयागराज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। जॉर्ज टाउन ब्रांच के हेड प्रवीण थोरत, चौक शाखा के प्रमुख अनंत सिंह, सिविल लाइंस शाखा के डीजीएम रितेश गुप्ता, रिलेशनशिप मैनेजर विवेक शुक्ला, रूमा मद्धेशिया, ब्रांच एजीएम ध्रुव चंद्र तथा सर्विसेज एंड ऑपरेशंस मैनेजर अपर्णा की गरिमामयी उपस्थिति रही। शाखा प्रबंधकों ने बताया कि नैनी क्षेत्र के ग्राहकों को अब उनके ही क्षेत्र में सहज, सुरक्षित और तीव्र बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी। बैंक डिजिटल बैंकिंग, लोन, खाता संचालन से लेकर निवेश योजनाओं तक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। स्थानीय लोगों ने बैंक का शुभारंभ का स्वागत करते हुए कहा कि अब उन्हें बैंकिंग के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। नई शाखा से क्षेत्रीय विकास को भी बल मिलेगा।

भूमि की सार्वजनिक नीलामी 22 जुलाई को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि न्यायालय देय के बकायेदार गणेश सिंह पुत्र छत्रपाल सिंह निवासी कल्यानपुर रैली परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 22 जुलाई 2025 समय प्रातः 10 बजे तहसील परिसर स्थित नायाब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

रायबरेली बनेगी स्मार्ट पालिका, सदर विधायक ने विशेष सचिव नगर विकास के साथ निरीक्षण भवन में की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विशेष सचिव नगर विकास महेंद्र बहादुर का आगमन जनपद में हुआ। उन्होंने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में सदर विधायक अदिति सिंह के साथ नगर पालिका को स्मार्ट बनाए जाने और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किए जाने विषयक कार्य योजना ईवी चार्जिंग सेंटर, सेंसर सोलर लाइट, डिजिटल होर्डिंग, डिजिटल आंगनवाड़ी, नगर क्षेत्र में बस संचालन आदि से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस संबंध में उन्होंने नगर पालिका ईओ स्वर्ण सिंह से जानकारी भी ली। विशेष सचिव ने कहा कि पालिका को स्मार्ट बनाने के लिए सभी कार्य योजना समय से तैयार कर ली जाए। इसके लिए संबंधित विभागों का सहयोग भी लिया जाए। इसके उपरांत सदर विधायक और विशेष सचिव नगर विकास ने कैनाल रोड स्थित सिटी रिसोर्स बिल्डिंग का भी निरीक्षण किया। ईओ नगर पालिका को निर्देश दिया की बिल्डिंग के डीपीआर का सीएनडीएस के माध्यम से एक्सेसमेंट कराकर विस्तृत जॉच रिपोर्ट और इसे पूर्ण कराने की आगामी कार्ययोजना शासन को शीघ्र प्रेषित की जाए ताकि अधूरी पड़ी बिल्डिंग का काम शीघ्र अति शीघ्र पूरा करा लिया जाए। कार्य गुणवत्तापूर्ण कराया जाए। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल अवगत कराया जाए।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक विशाल यादव भी उपस्थित रहे।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान/दस्तक अभियान की प्रथम अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न,मुख्य विकास अधिकारी ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान/ दस्तक अभियान की प्रथम अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक विकास भवन स्थित महात्मा गाँधी सभागार में की।बैठक में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान में सहयोगी विभागों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की गईं। सीडीओ ने इस अवसर पर अभियान के द्वितीय माह(जुलाई) के पर्यवेक्षण में लगाई गई मॉनिटरिंग एजेंसियों डब्ल्यूएचओ,यूनिसेफ व पाथ संस्था द्वारा कार्यक्रम के संबंध में दिए गए फीडबैक पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान को गंभीरता से लिया जाए इसके लिए जो भी दिशा निर्देश दिए गए हैं उनका पालन कराया जाए।***11से 18 जुलाई तक मनाया जाएगा विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा इसके उपरांत परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत 11 से 18 जुलाई 2025 तक विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा की बैठक हुई।***

बैठक में एसीएमओ डॉ अरविंद ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिसमें सभी विभागों से सहयोग लेते हुए सारथी वाहन के माध्यम से जनपद व ब्लॉक स्तर पर परिवार नियोजन कार्यक्रम व साधनों के प्रति जन जागरूकता हेतु व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना है। साथ ही सास-बेटा-बहू सम्मेलन के माध्यम से समस्त नगरीय एवं ग्रामीण आशा के सहयोग से बेटा बहू सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। जन जागरूकता के लिए सोशल मीडिया कैंपन का भी आयोजन किया जाएगा।

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 12 से 15 जुलाई तक की समय सारणी निर्धारितः क्रीडाधिकारा

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ी/टीम अपनी प्रविष्ट एक दिन पूर्व से जिला खेल कार्यालय, रायबरेली में कराये दर्ज : क्रीडाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। क्रीडाधिकारी धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम ने बताया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ द्वारा जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला खेल कार्यालय, पं0 मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 12, 13, 14 एवं 15 जुलाई 2025 की समय सारणी के अनुसार किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक/बालिका खिलाड़ियों की प्रविष्टि निःशुल्क है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक/बालिका दोनो वर्गों के दोनों ईवेन्ट्स के स्थान पाने वाले विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये जायेगें। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ी/टीम अपनी प्रविष्ट एक दिन पूर्व से जिला खेल कार्यालय, रायबरेली में दर्ज करा सकते है। क्रीडाधिकारी ने बताया है कि निर्धारित समय सारणी के अनुसार 12 जुलाई 2025 को प्रातः 07:00 बजे से एथलेटिक्स बालक/बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता एवं 13 जुलाई को प्रातः 07:00 बजे से फुटबॉल बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज ग्राउंड रायबरेली में आयोजित किया जायेगा। एथलेटिक्स बालक/बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के आयोजन हेतु शोएब खान मो0नं0 8756388231 व फुटबॉल बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए श्रद्धा सोनकर मो0नं0 9235046677 पर सम्पर्क कर सकते है।इसी प्रकार 14 जुलाई को प्रातः 08:00 बजे से वालीबॉल बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता, प्रातः 10:00 बजे से टेबिल-टेनिस बालक/बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता, प्रातः 11:00 बजे से कबड्डी बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता एवं 15 जुलाई को प्रातः 08:00 बजे से ताइक्वांडो बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन, जिला खेल कार्यालय, रायबरेली में आयोजित किया जायेगा। वालीवॉल बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए लीना सिंह मो0नं0 8765876135, टेबिल-टेनिस बालक/बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम मो0नं0 9450450252, कबड्डी बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए पिन्कू कुमार मो0नं0 8896183578, ताइक्वांडो बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए नरेश कुमार निषाद मो0नं0 9415887829 पर सम्पर्क कर सकते है।14 से 15 जुलाई को प्रातः 07:00 बजे से क्रिकेट बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन नदीम क्रिकेट सिद्दीकी क्रिकेट ग्राउंड रायबरेली में किया जायेगा। क्रिकेट बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए अश्वनी कुमार चन्द्रा मो0नं0 8707511137 से सम्पर्क कर सकते है।

वह रील, जिसके बाद टेनिस प्लेयर की हत्या हुई:राधिका ने इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया, पिता से परिचितों ने जताया एतराज

गुरुग्राम।हरियाणा के गुरुग्राम में जिस रील के बाद पिता ने टेनिस प्लेयर बेटी राधिका यादव की हत्या

कर दी, वह सामने आ गई है। रील राधिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी, जिसमें वह को-एक्टर इनामुल हक के साथ नजर आ रही थीं। इस वीडियो में राधिका के इनामुल के साथ सीन देखकर लोगों ने आपत्तिजनक टिप्पणियां करना शुरू कर दी थीं।यहां तक कि परिचितों ने पिता दीपक यादव के पास एतराज जताने शुरू कर दिए थे। इसके बाद पहले राधिका यादव का इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट हुआ। फिर उसकी हत्या हो गई। रील के विवाद की पुष्टि सेक्टर 57, वजीराबाद स्थित सुशांत लोक, फेज-2 के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन यादव ने भी की। पवन यादव ने कहा- 'कुछ लोगों ने राधिका की एक रील पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे परिवार में विवाद हुआ और राधिका को सोशल मीडिया अकाउंट हटाना पड़ा।' राधिका ने एक्टर इनामुल हक के साथ कारवां सॉन्ग में बतौर लीड एक्ट्रेस काम किया था। यह गाना 2 मिनट 55 सेकेंड का है। इसके प्रचार के लिए 42 सेकेंड की रील बनाई गई थी। जिसकी शुरुआत के 17 सेकेंड में राधिका को-एक्टर इनामुल के कंधे पर सिर रखे हुए दिखाई देती हैं और इनामुल ने उनका हाथ भी पकड़ा हुआ है। को-एक्टर इनामुल हक का कहना है कि उसने गाने की वीडियो शूटिंग से पहले गाना राधिका को भेजा था। राधिका ने कहा था कि उसके पिता को गाना पसंद आया। हालांकि, यहां गौर करने वाली बात है कि तब पिता दीपक यादव ने गाना सिर्फ सुना था, उसका वीडियो नहीं बना था तो बेटी ने उसमें क्या एक्टिंग की, इसके बारे में उन्हें पता नहीं था।इसके बाद गाने की शूटिंग हुई। गाना 20 जून को रिलीज हो गया, लेकिन राधिका ने उसका प्रचार नहीं किया था। इसकी पुष्टि करते हुए इनामुल ने कहा कि वीडियो रिलीज होने के तुरंत बाद राधिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी लगाई थी, जिसमें उसने बताया कि उसके दादा का निधन हो गया। इसी वजह से उसने गाने का प्रचार नहीं किया।इसके बाद राधिका ने कुछ दिन पहले 42 सेकेंड की रील अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड की। रील अपलोड होते ही उसके परिवार के परिचितों ने भी उसे देखा। संभव है कि उनके ग्रुप में भी यह रील शेयर की गई होगी। इसके बाद उसमें राधिका के एक्टर इनामुल के साथ फिल्माए सीन परिचितों को अच्छे नहीं लगे। उसके नीचे आपत्तिजनक कमेंट आने लगे। इससे एतराज पिता तक भी पहुंच गया। सुशांत लोक फेज टू की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन यादव ने कहा कि रील को लेकर परिवार में बहस भी हुई थी।पुलिस सूत्रों के मुताबिक बेटी के किसी युवक के साथ पहली बार इस तरह के सीन देखकर पिता खुश नहीं थे। संभवतः उनके बीच इसको लेकर झगड़ा होने लगा। इसी के बीच टेनिस एकेडमी आ गई। इसको लेकर पुलिस 2 थ्योरी मान रही हैष्ठ. ।पहलीष्ठ पिता ने राधिका के आगे एतराज किया कि वह इस तरह के वीडियो में उसका काम करना बर्दाश्त नहीं कर सकते। इससे समाज और परिचितों में बदनामी हो रही है। इसे तुरंत हटाना होगा। उसे ये रील बनाने और एक्टिंग का काम बंद करना होगा।ऐसा हो सकता है कि इसके बदले में राधिका ने कहा हो कि वह इसे बंद कर रही है। अपना अकाउंट भी डिलीट कर रही है, लेकिन अब वह उनकी खोली एकेडमी भी नहीं चलाएगी। पिता इससे नाराज हो गए, क्योंकि उन्होंने सवा करोड़ रुपए खर्च कर यह एकेडमी खोली थी। इससे दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया। कत्ल वाले दिन पिता को फिर किसी ने

एतराज जताया। घर आकर पिता का राधिका से झगड़ा हुआ। जिसके बाद तैश में आकर पिता ने बेटी को गोली मार दी। दूसरीष्ठ पिता ने राधिका को कहा कि वह तुरंत इस रील को डिलीट करे। अपना इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दे। इस तरह की रील और एक्टिंग उनके परिवार की छवि के लिए ठीक नहीं है। वह आगे से ऐसा काम नहीं करेगी। इसके बावजूद राधिका जिद पर अड़ी रही कि वह एक्टिंग करेगी और इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद नहीं करेगी। इससे पिता नाराज हो गए और उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है तो फिर सवा करोड़ रुपए लगाकर उन्होंने जो एकेडमी दी है, उसे बंद कर दे। राधिका ने कहा होगा कि वह एकेडमी भी बंद नहीं करेगी। इससे पिता गुस्से में आ गए और लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोलियां मारकर उसकी हत्या कर दी।इसको लेकर इनामुल ने खुद जानकारी देते हुए मीडिया से कहा- मुझे किसी टेनिस मुकाबले में राधिका दिल्ली में मिली। तब राधिका ने खुद एक्टिंग में दिलचस्पी दिखाई थी। मेरी टीम को वह क्यूट लगी थी। इसके बाद म्यूजिक वीडियो कारवां के लिए राधिका को सिलेक्ट किया। इसके बाद 4-5 घंटे की शूटिंग हुई। इनामुल ने आगे कहा- दिल्ली से मुलाकात के बाद शूटिंग तक कभी राधिका से बात नहीं हुई। हां, हम इंस्टाग्राम पर जुड़े थे। एक-दूसरे की स्टोरी पर रिप्लाई करते थे, लेकिन लंबी चैटिंग या बातचीत कभी नहीं हुई।इस पूरे मामले में राधिका की मां मंजू यादव की चुप्पी सबको अखर रही है। वह हत्या के वक्त घर पर थी, लेकिन उसने पुलिस को बयान देने से इनकार कर दिया। इसके पीछे की वजह पुलिस ये मान रही है कि राधिका ने वीडियो में कैसे शूटिंग की, इसके बारे में वह जानती थी। राधिका के को-एक्टर इनामुल ने भी कहा कि शूटिंग के दिन राधिका के साथ मां भी आई थीं। ऐसे में जब वीडियो सामने आया तो पिता नाराज हुए कि उसने इस तरह की शूटिंग कैसे करने दी। उसने पहले इसके बारे में क्यों नहीं बताया। यही वजह हो सकती है कि वह अब पति के खिलाफ कुछ नहीं कह रहीं। पिता पर कत्ल का केस चाचा के बयान पर हुआ है।गुरुग्राम पुलिस के ईंध संदीप कुमार ने बताया कि ये वीडियो काफी पुराना है। ये फैमिली की सहमति से ही बनाया गया था। रील विवाद को लेकर कोई संभावना फिलहाल इन्वेस्टिगेशन में सामने नहीं आई है और न ही परिवारजनों ने इस तरह की शंका जाहिर की है। फिलहाल इन्वेस्टिगेशन की यही क्लियर कट डायरेक्शन है कि एकेडमी चलाने की नाराजगी को लेकर ही हत्या की गई है।हरियाणा के गुरुग्राम की इंटरनेशनल टेनिस प्लेयर राधिका यादव का अंतिम संस्कार शुक्रवार की शाम छह बजे उनके पैतृक गांव वजीराबाद में कर दिया गया। पोस्टमॉर्टम करने वाले बोर्ड में शामिल डॉक्टर के मुताबिक, राधिका को गोलियां करीब से मारी गई थी।4 गोलियों से दिल-आंतें छलनी हुईं, आधे घंटे तक तड़पती रही राधिका।

बुमराह घर से बाहर सबसे ज्यादा 5-विकेट लेने वाले भारतीय,रूट के टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच, गिल के सीरीज में 600 रन पूरे

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। मुकाबले के दूसरे

दिन इंग्लैंड ने 387 रन बनाए। भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 145 रन बना लिए। टीम 242 रन पीछे है। शुभमन गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 600 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए। जो रूट टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बने। वहीं जसप्रीत बुमराह देश से बाहर टेस्ट में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए।लॉर्ड्स टेस्ट के रिकॉर्ड्स- 1. बुमराह के 450 विकेट पूरे जसप्रीत बुमराह ने पहली पारी में बेन स्टोक्स का विकेट लेने के साथ ही इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 450 विकेट पूरे कर लिए। बुमराह के नाम टेस्ट में 215, वनडे में 149 और टी-20 में 89 विकेट हैं। बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट भी लिए। टेस्ट में उन्होंने 15वीं बार 5-विकेट लिए। यह घर से बाहर उनका 13वीं बार 5-विकेट हॉल रहा। बुमराह

घर से बाहर सबसे ज्यादा 5-विकेट लेने वाले भारतीय बने। उन्होंने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनके नाम 12 बार 5-विकेट लेने का रिकॉर्ड था।2. रूट ने भारत के खिलाफ 11वां टेस्ट शतक लगाया इंग्लैंड के सबसे सफल बैटर जो रूट ने शतक लगा दिया। यह टेस्ट में उनका 37वां शतक रहा, इस मामले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ा। जिनके नाम 36 टेस्ट शतक हैं। रूट ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट सेंचुरी लगाने के मामले में स्मिथ की बराबरी भी कर ली। दोनों के नाम 11-11 टेस्ट शतक हैं।3. बुमराह ने रूट को 15वीं बार आउट किया जो रूट को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड किया। इसी के साथ बुमराह इंटरनेशनल क्रिकेट में रूट को सबसे ज्यादा बार आउट करने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने 15वीं बार रूट को पवेलियन भेजा। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने रूट को 14 बार पवेलियन भेजा है।4. रूट सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बने जो रूट ने भारत की बैटिंग के दौरान करुण नायर का स्लिप में कैच पकड़ा। इसी के साथ वे बतौर फील्डर टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले प्लेयर बन गए। रूट ने भारत के ही राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 210 कैच थे। रूट के 211 कैच हो गए।5. जैमी स्मिथ सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले विकेटकीपर इंग्लैंड के विकेटकीपर जैमी स्मिथ सबसे कम गेंदों में एक हजार टेस्ट रन बनाने वाले विकेटकीपर बने। उन्होंने पाकिस्तान के सरफराज अहमद का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1311 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे। स्मिथ ने 1303 गेंदों पर ही हजार रन बना लिए।6. शुभमन इंग्लैंड में 600 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय शुभमन गिल लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 16 ही रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, उन्होंने इतने कम रन के बावजूद मौजूदा सीरीज में 600 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ शुभमन इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में 600 प्लस रन बनाने वाले दूसरे ही भारतीय बने। उनसे पहले 2002 में राहुल द्रविड़ 602 रन बना चुके हैं। गिल के नाम फिलहाल 601 रन हैं।गिल इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान भी बन गए। इस मामले में उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। जिन्होंने 2018 में 593 रन बनाए थे। गिल ने पारी में 9वां रन बनाते ही विराट को पीछे छोड़ दिया।टॉप मोमेंट्स- 1. बुमराह को 2 गेंद पर 2 विकेट दूसरे दिन जसप्रीत बुमराह ने 88वें ओवर में लगातार 2 गेंद पर 2 विकेट लिए। उन्होंने ओवर की पहली गेंद पर जो रूट को बोल्ड किया। फिर दूसरी गेंद पर क्रिस वोक्स को कॉट बिहाइंड भी करा दिया। रूट ने 104 रन बनाए, वहीं वोक्स खाता भी नहीं खोल सके। बुमराह ने पारी में 5 विकेट लिए।2. स्मिथ ने पैर से गेंद मारकर स्टंप्स में जाने से बचाया इंग्लैंड के विकेटकीपर बैटर जैमी स्मिथ ने गेंद को पैर मारकर उसे स्टंप्स में जाने से बचाया। बैटिंग के दौरान स्मिथ ने डिफेंस किया, गेंद स्टंप्स की ओर जाने लगी। स्मिथ ने समझदारी दिखाई और गेंद को स्टंप्स से टकराने से पहले ही पैर मारकर दूसरी ओर गिरा दिया। इस तरह वे आउट होने से बच गए।3. सिराज की बॉलिंग पर 3 कैच छूटे मोहम्मद सिराज की बॉलिंग पर 3 फील्डर्स ने कैच छोड़े। इस दौरान जैमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स को जीवनदान मिला। स्मिथ

जब 5 रन के स्कोर पर थे, तब केएल राहुल ने सेकेंड स्लिप में स्मिथ का कैच छोड़ दिया। फिर 111वें ओवर में आकाशदीप ने लॉन्ग ऑन और ध्रुव जुरेल ने विकेट के पीछे कैच छोड़ दिया। इस बार कार्स को जीवनदान मिला।4. सिराज ने डिओगो जोटा को समर्पिता किया विकेट मोहम्मद

सिराज ने जैमी स्मिथ को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। स्मिथ 51 रन बनाकर आउट हुए। सिराज ने हाथ से 20 नंबर का साइन बनाया और दिवंगत पुर्तगाली फुटबॉलर डिओगो जोटा को ट्रिब्यूट दिया। युवा जोटा की कुछ दिनों पहले ही कार एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। जोटा का जर्सी नंबर 20 ही था। सिराज ने इस विकेट के बाद हाथ भी जोड़े।5. अंपायर ने छक्का लगने पर चौके का इशारा किया ब्रायडन कार्स ने मोहम्मद सिराज की स्लोअर बॉल पर सामने की दिशा में छक्का लगाकर फिफ्टी पूरी की। हालांकि, अंपायर शरफुद्दौला सैकत ने इसे गलती से चौका दे दिया। बाद में अंपायर ने अपनी गलती को सुधारा और इंग्लैंड के स्कोर में 2 रन जोड़े गए।6. यशस्वी ने पहले ओवर में 3 चौके लगाए भारत के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने क्रिस वोक्स के खिलाफ पारी के पहले ही ओवर में 3 चौके लगा दिए। उन्होंने वोक्स के खिलाफ पहली ही गेंद पर कवर्स की दिशा में चौका लगाया। फिर थर्ड मैन और स्क्वेयर लेग की दिशा में बाकी 2 बाउंड्री लगाईं।7. आर्चर को पहले ओवर में विकेट इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 4 साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की। इसके बावजूद उन्होंने अपने पहले ही ओवर में विकेट हासिल कर लिया। आर्चर ने पारी के दूसरे ओवर की तीसरी गेंद गुड लेंथ पर आउट स्विंगर फेंकी। यशस्वी डिफेंस करने गए, लेकिन सेकेंड स्लिप में हैरी ब्रूक के हाथों कैच हो गए। यशस्वी ने 13 रन बनाए।8. डीआरएस में बचे करुण नायर भारत के लिए नंबर-3 पर बैटिंग करने उतरे करुण नायर रिव्यू लेने के कारण आउट होने से बच गए। तीसरे सेशन के पहले ओवर में बेन स्टोक्स ने लेग स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर गेंद फेंकी। बॉल नायर के पैरों से लगकर विकेटकीपर के हाथ में चली गई। इंग्लैंड ने अपील की और अंपायर ने कॉट बिहाइंड दे दिया। नायर ने रिव्यू ले लिया, डीआरएस में नजर आया कि गेंद करुण के बैट से नहीं लगी। बॉल नायर के पैड्स से लगकर विकेटकीपर के हाथों में गई थी। अंपायर ने अपना फैसला बदला और नायर नॉटआउट रहे। हालांकि, करुण ज्यादा देर नहीं टिके और 40 रन बनाकर स्टोक्स का ही शिकार हो गए।9. कैंसर अवेयरनेस के लिए इंग्लिश प्लेयर्स ने पिंक जर्सी पहनी लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड की टीम कैंसर अवेयरनेस के लिए पिंक जर्सी पहनकर खेलने उतरी। यह 'रेड फॉर रूथ कैंपेन' के तहत किया गया। इस कैंपेन का मकसद फेफड़े के कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना और प्रभावित परिवारों की मदद करना है। रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन की स्थापना पूर्व इंग्लैंड कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने अपनी पत्नी रूथ के सम्मान में की थी। जिनका 2018 में गैर-धूम्रपान से होने वाले फेफड़े के कैंसर से निधन हो गया था।10. बॉल बदलने को लेकर अंपायर से बहस दूसरी नई बॉल बदलने को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने ऑनफील्ड अंपायर शरफुद्दौला सैकत से अपील की। नई गेंद को टेस्ट किया गया। गेंद मापने वाले रिंग में फंस गई। जिसके बाद चौथा अंपायर गेंदों का बॉक्स लेकर आया। अंपायर्स ने दूसरी गेंद चुनी, लेकिन इससे शुभमन और गेंदबाज मोहम्मद सिराज नाराज नजर आए। सिराज ने अंपायर से दूसरी गेंद की भी शिकायत की, लेकिन अंपायर ने बॉल नहीं बदली। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी अंपायर से बहस करते भी नजर आए, लेकिन अंपायर ने गेंद को फिर से नहीं बदला।

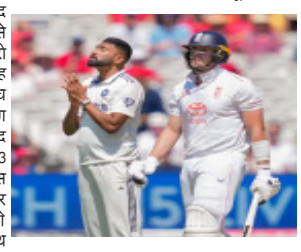

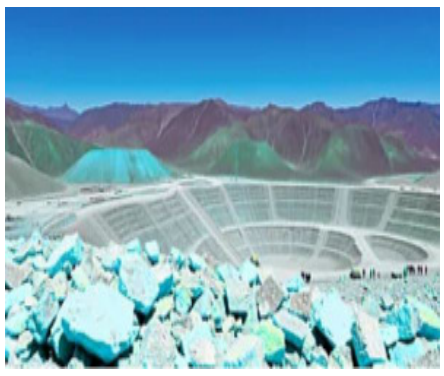

चीन को बड़ा झटका, हैदराबाद में रेअर अर्थ मैग्नेट का प्रोडक्शन शुरू करेगा भारत

हैदराबाद। केंद्र सरकार ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए

हैदराबाद में रेअर अर्थ मैग्नेट का प्रोडक्शन शुरू करने का निर्माण लिया। यह जानकारी शनिवार को केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी रेशन रेड्डी ने दी है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया, केंद्र सरकार ने हैदराबाद में दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों का उत्पादन का निर्णय लिया है। खनन मंत्रालय का एनएफटीएसएम इंस्टीट्यूट कई उद्योगों के साथ मिलकर आवश्यक मशीनरी के लिए काम कर रहा है।केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'दुर्लभ पृथ्वी के स्थायी चुम्बकों के लिए हम 100 प्रतिशथ चीन पर निर्भर थे। लेकिन हाल ही में चीन ने आपूर्ति करने से इनकार कर दिया है। इसी वजह से भारत सरकार स्थायी चुम्बक निर्माण के लिए प्रयासरत है। हैदराबाद स्थित हमारे खनन मंत्रालय के संस्थान ने प्रयास कर उपकरणों सहित एक परमानेंट मैग्नेट प्रोसेसिंग यूनिट तैयार कर ली है। 3-4 महीने बाद, हम विभिन्न निजी कारखानों को तकनीक देकर स्थायी चुम्बक बनाने का प्रयास करेंगे। इसके लिए भारत सरकार ने कुछ पीएलए योजनाएं भी शुरू की हैंजी किशन रेड्डी ने कहा, केंद्र सरकार रेअर अर्थ मैग्नेट को लेकर काफी गंभीरता से काम कर रही है। कई मंत्रालय मिलकर एक साथ काम कर रहे हैं। इस मुद्दे पर पीएम मोदी से भी चर्चा की गई है। हाल में ही पीएम मोदी के पांच देशों की यात्रा में भी अलग-अलग देशों से इसी मुद्दे पर बात की गई है। उन्होंने बताया, रेअर अर्थ का रॉ मटेरियल भी भारत में काफी कम मिलता है। इसलिए कच्चे माल को विदेशों से सरकार आयात करने को लेकर काम कर रही है। रेअर अर्थ मैग्नेट का मोबाइल फोन से लेकर रक्षा क्षेत्र, स्पेस टेक्नोलॉजी समेत कई जगहों पर इसका उपयोग होता है।

अरुणाचल में रेप-छेड़छाड़ के आरोपी की थाने के बाहर हत्या:भीड़ पुलिस स्टेशन से खींच लाई थी; लड़कियों के पेट दर्द की शिकायत से खुलासा

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश की लोअर दिबांग घाटी में असम

के युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पूरी घटना रोइंग कस्बे के पुलिस स्टेशन के बाहर पुलिसकर्मियों की

मौजूदगी में हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवक पर 20 से ज्यादा लड़कियों (नाबालिग शामिल) के रेप और यौन शोषण का आरोप था। कहा गया कि वो लड़कियों के हॉस्टल में जाकर पीड़ितों के साथ गलत करता था। मामले का खुलासा कुछ पीड़ित लड़कियों की पेट दर्द की शिकायत से हुआ। उन्होंने बताया कि आरोप हॉस्टल के में आकर उनके साथ गलत काम करता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी को थाने लाया गया था। तभी सैकड़ों लोगों की भीड़ थाने ने घुस आई और युवक को खींचकर बाहर ले गई और मारपीट की। पुलिस ने बताया कि गंभीर हालत युवक को अस्पताल ले जाया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक युवक एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करता था। ओडिशा के गजपति जिले में 60 साल के रेप के आरोपी की हत्या करके शव जला दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने 10 लोगों को अरेस्ट किया था, जिनमें 8 महिलाएं और दो पुरुष थे। पुलिस ने गांव से करीब 2 किलोमीटर दूर वन क्षेत्र के पास एक पहाड़ी से मृतक की हड्डियां और राख बरामद की थी। पुलिस ने बताया था कि जिन महिलाओं को पकड़ा गया है, वे सभी यौन शोषण का शिकार हुई थीं। पुलिस ने बताया कि जिस व्यक्ति को मारा गया था वह काफी समय से महिलाओं का शोषण कर रहा था। 3 जून को उसने 52 साल की एक विधवा का रेप किया था। घटना सामने आने के बाद महिलाओं ने एक मीटिंग की और आरोपी को मारने का फैसला किया था। पुलिस ने बताया था कि सभी महिलाएं आरोपी के घर गईं, उस वक्त वह सो रहा था। तभी महिलाओं ने आरोपी पर कुल्हाड़ी से वार किए थे। हत्या के बाद शव को जंगल ले जाकर जला दिया था।

विंबलडन फाइनल में पहुंचा भारतीय मूल का खिलाड़ी, उत्तराखंड से रखता है खास नाता

नई दिल्ली। इस वक्त लंदन में टेनिस का सबसे लोकप्रिय टूर्नामेंट विंबलडन 2025 का आयोजन हो रहा

है। इस बड़े टूर्नामेंट को देखने बड़े-बड़े सेलिब्रिटीज आते हैं। कई भारतीय क्रिकेटर्स भी हाल ही में विंबलडन देखने के लिए पहुंचे थे। वुमेंस सिंगल कैटेगिरी में फाइनल अमांडा अनिसिमोवा और इगा स्विटेक के बीच खेला जाएगा जबकि मेंस सिंगल में कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर का मुकाबला होगा। हालांकि एक भारतीय मूल का खिलाड़ी भी विंबलडन जूनियर में अपने नाम का डंका बजा रहा है। हम बात कर रहे हैं अमेरिका के लिए खेलने वाले भारतीय मूल के टेनिस खिलाड़ी रोनित कार्की की। रोनित विंबलडन जूनियर के फाइनल में पहुंच गए हैं। आखिर कौन हैं रोनित, आइये उनके बारे में विस्तार से जानते हैं।रोनित कार्की 17 साल के अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी हैं, जो भारतीय मूल के हैं और जूनियर सर्किट में काफी धूम मचा रहे हैं। वह सीधे हाथ से खेलते हैं और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। 7 जुलाई 2025 तक, रोनित आईटीएफ जूनियर रैंकिंग में 52वें स्थान पर थे। 28 अप्रैल 2025 को उन्होंने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 49 हासिल की थी।

वह विंबलडन में जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए हैं। सेमीफाइनल में उन्होंने बुल्गारिया के अलेक्जेंडर वासिलेव को हराया था। क्वार्टर फाइनल में रोनित ने विश्व नंबर 16 एलन वाजनी को मात दी थी।रोनित ने जनवरी 2025 में अपने साथी जैक सैटरफील्ड के साथ आईटीएफ जूनियर जे300 बॉरेंन्विला डबल्स का खिताब जीता। कार्की जून 2025 में रोलैंड गैरो जूनियर चैंपियनशिप के दूसरे दौर में पहुंचे थे। 2023 यूएसटीए विंटर नेशनल्स फॉर बॉयज 18 और 2024 ईस्टर बाउल बॉयज 18 डबल्स में डबल्स में गोल्ड बॉल हासिल की थी।रोनित कार्की का परिवार उत्तराखंड, भारत के पंगखू के जाबुका गांव से है। उनके माता-पिता, त्रिलोक सिंह कार्की और कंचन कार्की, दोनों इंजीनियर हैं, जो अमेरिका चले गए थे जहाँ रोनित का जन्म हुआ।

उनकी बड़ी बहन, नाओमी कार्की, भी अमेरिका के लिए जूनियर टेनिस खेलती हैं। रोनित कार्की का समर्पण और प्रतिभा उनकी तेज़ प्रगति से साफ दिखती है। विंबलडन में उनके प्रदर्शन ने खासकर बहुत ध्यान खींचा है और एक सफल पेशेवर करियर के लिए उनकी क्षमता को दर्शाता है।

कर्नाटक की गोकर्ण गुफा से रूसी महिला का रेस्क्यू

कारवाड़। उत्तर कन्नड़ जिले के

कुमता तालुक में रामतीर्थ पहाड़ियों की गोकर्ण गुफा से एक रूसी महिला और उसके दो छोटे बच्चों का रेस्क्यू किया गया। महिला की पहचान 40 साल की नीना कुटीना उर्फ मोही के रूप में हुई है। यह महिला बिजनेस वीजा पर भारत आई थी। हिंदू धर्म और भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं से गहराई से प्रभावित होकर गोवा होते हुए गोकर्ण पहुंची। उसके साथ 2 बेटियां 6 साल की प्रेया और 4 साल की अमा थी। जंगल के बीचों-बीच बनी गुफा में ये लोग 2 हफ्ते से थे। इन लोगों ने गुफा के अंदर एक साधारण घर बना लिया था। हाल ही में हुए लैंडस्लाइड के बाद रूटीन पेट्रोलिंग कर रही पुलिस ने गुफा के बाहर कपड़े लटके हुए देखे। अंदर पहुंचने पर टीम को महिला और बच्चे मिले। पुलिस हैरान है कि ये लोग जंगल में कैसे जिंदा रहे और उन्होंने क्या खाया। पुलिस ने इस बात पर संतोष जताया कि इनके साथ कोई दुर्घटना नहीं हुई।

40 साल की अंकिता लोखंडे ने कभी बालकनी में तो कभी सोफे पर दिखाई नजाकत, पर लोगों की नजर 'वाइट थीम' वाले घर पर टिकी

मुंबई। अंकिता लोखंडे ने बार-बार साबित किया है कि वह अपने स्टाइल से किसी भी आउटफिट में चार चांद लगा सकती हैं। शनिवार को भी, एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की, जिसमें वह एक स्टाइलिश ड्रेस में नजर आईं। अंकिता ने गुलाबी रंग के फ्लोरल प्रिंटेड आउटफिट और प्लंजिंग नेकलाइन में अपने क्लीवेज फ्लॉन्ट करते हुए दिखाया। उन्होंने अपने बाल खुले रखे, एक्सेसरीज नहीं पहनीं और हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लग रही थीं।अपनी तस्वीरों के कैप्शन में, अंकिता लोखंडे ने लिखा, 'वह उसी दिन खिल उठी जिस दिन उसने खुद को पहले सींचने का फैसला किया। अब और इंतजार नहीं, अब और समझौता नहीं। सम्मान भीख में नहीं मिलता, यह साकार होता है। और प्यार–सच्चा प्यार–भीतर से शुरू होता है।'कहने की जरूरत नहीं कि अंकिता के हॉट लुक से फैन्स बेहद इंप्रेस हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने एक्ट्रेस की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में जाकर उनके लुक की तारीफ की। एक फैन ने लिखा- वाह, कितनी खूबसूरत और क्यूट दी। एक और ने लिखा- बहुत हॉट अंकिता दी। एक और यूजर ने उन्हें 'स्टनिंग' और 'हॉट' कहा। कई और लोगों ने कमेंट बॉक्स में फायर इमोजी भी शेयर किए। वहीं, कुछ लोगों का ध्यान एक्ट्रेस के वाइट थीम वाले घर पर भी गया। जहां सबने उनके आशियाने की तारीफ की।अंकिता लोखंडे का यह पोस्ट एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की अफवाहों के सुर्खियों में आने के कुछ दिनों बाद आया है। यह सब तब शुरू हुआ जब लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 के मेकर्स ने एक प्रोमो शेयर किया जिसमें अंकिता अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा करती नजर आईं। जब कृष्णा अभिषेक ने उनसे कोई सामान छीना, तो अंकिता उनके पीछे दौड़ीं और कृष्णा से कहा कि उन्हें ज्यादा न दौड़ाएं वो प्रेग्नेंट हैं, जिससे सभी हैरान रह गए।हालांकि, बाद में अपने एक यूट्यूब व्लॉग में, अंकिता और विक्की ने इन अफवाहों पर कमेंट किया, जब विक्की ने मजाक में कहा, 'न्यूज तो काफी समय से चल रही है, प्रेग्नेंसी कब होगी, यह सवाल होना चाहिए। पूरा परिवार लगा हुआ है। बातचीत चल रही है।' अंकिता, साफ तौर पर खुश लेकिन चिढ़ी हुई नजर आईं और कहा, 'बातचीत चल रही है। मैं सवालों से थक गई हूं।'

फातिमा सना शेख ने कहा- पीरियड्स आने पर मजे लेने के लिए सबसे कहती हैं ऐसा, आयशा बोलीं- हम ऐसे छिपाते जैसे ड्रग्स?

मुंबई। आर माधवन और फातिमा सना शेख की लेटेस्ट रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'आप जैसा कोई ओटीटी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। प्यार और रोमांस की उम्र से बाहर निकल चुके शख्स की प्यार की ये कहानी लोगों को दिलों को छू रही है। इस फिल्म में आयशा रजा मिश्रा भी अहम भूमिका में हैं। फातिमा और आयशा ने इसी फिल्म को लेकर 'हॉटरफ्लाई' पर बातचीत की, जहां इन्होंने बॉलीवुड में फीमेल कास्टिंग से लेकर समाज में महिलाओं के साथ अलग व्यवहार, पीरियड्स को लेकर टैबू जैसे मुद्दों पर भी बातें की।चाहे कितने भी ऐड बन जाएं या फिर 'पैडमैन' जैसी फिल्में, पीरियड्स हमेशा से ही एक ऐसा टैबू रहा है जिसके बारे में ओपनली कुछ कहने से लड़कियां आज भी कतराती हैं। दरअसल इसकी वजह यही है कि समाज में आज भी इस शब्द पर लोगों के रिएक्शन हैरान करने वाले होते हैं। इस बातचीत में पीरियड्स के टैबू पर बोलीं फातिमा और आयशा मिश्रालेटेस्ट इंटरव्यू में उन्होंने पीरियड्स जैसे टैबू पर ही बातें कीं। आयशा ने इस मुद्दे पर बातें करते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता कि ये साइकॉलजी इंडिया में कब शुरू हुई कि आपको पीरियड्स के पैड भी पहले न्यूजपेपर में बांधेंगे और फिर काले रंग के प्लास्टिक बैग में।''मेरा कहना है कि ये क्या ऐसी चीज है कि मैं इसे छुपा रही हूं और हमने हमेशा से सीखा है कि अगर अपना पैड ले जा रहे हो.. अगर आप एयरोप्लेन में भी जा रहे, उसको हम एकदम छिपाकर ले जाते हैं कैसे-कैसे।'आयशा मिश्रा ने कहा, 'क्या ये ड्रग्स है या कुछ ऐसा कि छिपाना चाहिए, साइकलॉजिकली हमें हमेशा से यही कहा गया है कि सैनिटरी नेपकिन्स हिडन होना चाहिए। मुझे नहीं पता कि ये सब कहां से शुरू हुआ।'इसपर फातिमा सना शेख ने कहा, 'आपको पता है, मैं सबसे अधिक क्या इंजॉय करती हूं। जब भी मुझे पीरियड्स आता है तो मैं सबको कहती हूं कि मेरा पीरियड्स आया है।'उन्होंने कहा, 'उसके बाद आसपास के लोगों के चेहरे के रिएक्शन देखना बड़ा मजेदार होता है। यहां तक कि आसपास की महिलाएं भी मुंह बनाती हैं।'फातिमा ने कहा, 'लेकिन पता है क्या है, जितना आप नॉर्मली बोलोगे न उतना सामने वाला नॉर्मली लेगा। मेरी एक फ्रेंड है, उसके साथ बकायदा होता है, उसकी शादी हो गई है, उसे इस दौरान किचन में जाना अलाउड नहीं है।'आयशा मिश्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि ये रूल्स जब आए होंगे तो उसके पीछे अच्छी वजहें होंगी, लेकिन आप टाइम के साथ बढ़े नहीं और उस जमाने में फंस गए हैं। उस जमाने में सैनिटरी नैपकिन्स नहीं थे, हाइजीन एक बड़ा इशू था, अगर आप किचन में गईं और आपने सैनिटरी नैपकिन्स नहीं यूज किए तो ये काफी अनहाइजीनिक हो सकता है।''दूसरी बात जो मुझे समझ आया कि ये महिलाओं के लिए एक स्मार्ट मूव था, 5 दिनों का हॉलिडे, नो झाडू नो पोछा कोई जिम्मेदारी नहीं कोी खाना-पीना नहीं चिल करो, कमरे में बैठो...खाना तुम तक आएगा, जो कि बहुत बड़ी लग्जरी है महिलाओं के लिए, खाना कोई परोस के दे रहा है उनको पांच दिन।' इसी पर फातिमा ने कहा कि अब वही बातें अलग अंदाज में हो गई है, लोग ऑर्डर की तरह कहेंगे कि तुम किचन में नहीं जा सकती।फातिमा ने कहा, 'जब मेरा पीरियड होता है तो मैं डायरेक्टर को कह देती हूं कि आज मेरा ऑफ रहेगा और काफी ध्यान भी रखते हैं।'

शेफाली जरीवाला की वाकई एंटी-एजिंग सप्लीमेंट्स से गई जान? मिनी माथुर बोलीं- कई लोग लेते हैं, डॉक्टरी सलाह जरूरी

मुंबई। शेफाली जरीवाला की अचानक मौत के बाद से सोशल मीडिया पर और सिलेब्रिटीज के बीच एक बहस छिड़ गई है। ये बहस एंटी-एजिंग दवाइयों, सप्लिमेंट्स और जवां दिखने के लिए ली जा रही ट्रीटमेंट को लेकर है। 27 जून को शेफाली की मौत हुई, जिसमें सामने आया कि वह काफी समय से एंटी-एजिंग दवाइयां, स्किन को ग्लोइंग रखने का ट्रीटमेंट करवा रही थीं। साथ ही यह भी पता चला कि शेफाली जरीवाला ने मौत वाले दिन विटमिन सी की आईवी ड्रिप ली थी। शेफाली की मौत की जांच चल रही है, और इसमें पता चला वह एंटी-एजिंग की दवाइयां और सप्लीमेंट्स खुद ले रही थीं। किसी डॉक्टर से सलाह नहीं ली थी। इस पर अब मिनी माथुर ने रिएक्ट किया है।मिनी माथुर ने ऐसी प्रक्रियाओं के मामले में सावधानी बरतने जागरूक रहने पर जोर दिया है। साथ ही कहा है कि ऐसे मामलों में मेडिकल सुपरविजन की जरूरत होती है। मिनी माथुर ने विक्की लालवानी को दिए इंटरव्यू में इस बात पर भी चिंता जाहिर की किस महिलाओं पर पब्लिकली खुद को एक खास तरह से दिखाने के लिए दबाव झेलना पड़ता है। उन पर हमेशा ही खूबसूरत और फिट दिखने का दबाव होता है।मिनी माथुर ने कहा, 'यह कोई ग्लैमरस बातचीत नहीं है, लेकिन सच्चाई यह है कि लोगों को इन मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से बात करनी चाहिए ताकि जागरूकता और बढ़े। मैं यहां किसी को जज करने के लिए नहीं बैठी हूं, जो ट्रीटमेंट करवाते हैं या कुछ कॉस्मेटिक एन्हेंसमेंट करवाते हैं। लेकिन मैं मानती हूं कि अगर आप अंदर से अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं तो अच्छा दिखने का कोई मतलब नहीं है।'वहीं, शेफाली जरीवाला की मौत को लेकर जो एंटी-एजिंग और स्किन ट्रीटमेंट के अनुमान लगाए जा रहे हैं, उस पर पूछे जाने पर मिनी माथुर बोलीं, 'मैं इतनी क्वालिफाइड नहीं हूं कि इस पर बात कर सकूं। मुझे नहीं पता कि उनकी मेडिकल रिपोर्ट क्या कहती है, और मैं ऑनलाइन पढ़ी हर बात पर यकीन नहीं करती। जब तक कोई प्रमाणित डॉक्टर किसी बात की पुष्टि नहीं कर देता, हम ठीक से नहीं जान सकते कि क्या हुआ था।'हालांकि, मिनी माथुर ने माना कि मशहूर हस्तियों द्वारा ग्लूटाथियोन या एनर्जाइजिंग विटमिन ड्रिप जैसे सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल करना आम बात है। मिनी ने कहा, 'हेल्थ बूस्टिंग सप्लीमेंट्स लेने में कुछ गलत नहीं है। लेकिन हर चीज मेडिकल गाइडेंस लेकर ही करनी चाहिए। यहां कोई डॉक्टर नहीं है, और आप नहीं जानते कि आपका शरीर कैसे रिएक्ट करेगा। इसलिए मैं कभी कोई रिस्क नहीं लेती।'

कभी रोनित रॉय के पास नहीं होते थे खाने और भाड़े के पैसे, आज हैं इतने करोड़ के मालिक

मुंबई। एक्टर रोनित रॉय फिल्मों से लेकर वेब सीरीज और टीवी सीरियल्स तक में अपनी पहचान बना चुके हैं। उनकी खुद की आज सिक्योरिटी एजेंसी है, जिससे वह सैफ अली खान, आमिर खान जैसे दिग्गज सेलेब्स को सर्विसेज देते हैं। हालांकि एक वक्त ऐसा था, जब उनके पास खाने तक के लिए पैसे नहीं हुआ करते थे। उन्होंने इस बात का अब खुलासा किया है। मुंबई में अपने शुरुआती दिनों को याद करके वह भावुक भी हुए हैं। उन्होंने बताया कि काफी मुश्किलों का सामना किया था।रोनित रॉय ने 'हिंदी रश' को दिए इंटरव्यू में बताया, 'बांद्रा स्टेशन के बाहर एक मशहूर ढाबा है। मैं हर रात वहां खाना खाता था, दिन में सिर्फ़ एक बार, क्योंकि मैं उतना ही खा सकता था। एक दिन काली दाल और रोटी मिलती थी, और अगले दिन रोटी के साथ पालक पनीर... ये सब बारी-बारी से मिलता था, बस इतना ही मिलता था।'रोनित रॉय ने आगे बताया, 'एक दिन मैं वहां गया और वहां काम करने वाले एक आदमी से सिर्फ दो रोटी और एक प्याज मांगा क्योंकि मेरे पास पैसे नहीं बचे थे। लेकिन उसने मुझे दाल भी दी और कहा कि यह मेरी तरफ से है। और वह पल मेरे जहन में बस गया।' एक्टर ने याद किया कि उन्हें 1991 में अपनी पहली मूवी के लिए 50,000 रुपये मिले थे, जो उनके लिए टर्निंग प्वॉइंट साबित हुआ था। एक्टर ने बताया कि उस जमाने में उनके पास कभी आए ही नहीं थे। जितनी भी फिल्में उन्होंने की थी, उनमें से उनका गुजारा बहुत मुश्किल से होता था। रोनित रॉय की नेट वर्थ की बात करें तो वह 99 करोड़ रुपये बताई जाती है। उनके पास मुंबई में 18 करोड़ रुपये का एक फ्लैट है। उन्होंने इंटरव्यू में बताया कि वह पहले भाड़े के कमरे में रहते थे। आगे दरवाजे पर ताला लगाकर पीछे की खिड़की से कमरे में आते थे क्योंकि किराए देने के पैसे नहीं होते थे। एक-दो महीने काम नहीं होता था। जब कभी काम मिलता और कमाई होती तो वह किराया चुकाते थे।

'इस महिला को मुंह नहीं खोलना चाहिए', रणबीर के 'एनिमल' वाले किरदार को डेट करने की बात सुन रश्मिका पर भड़की जनता

मुंबई।रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' ने जहां बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया था वहीं इसमें एक्टर के किरदार रणविजय की खूब आलोचना हुई थी। कई लोगों ने रणबीर कपूर के इस किरदार को समाज के लिए खतरा तक कहा था। इस फिल्म में एक हीरो बतौर विलन की तरह जीता है और जिस तरह से वो अपनी प्रेमिका के साथ व्यवहार और बदसलूकी करता है उसे महिला विरोधी कहा गया था। अब रणबीर कपूर के रणविजय वाले किरदार को ही डेट करने पर उस फिल्म की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अपनी राय रखी है।हाल ही में एक इंटरव्यू में रश्मिका मंदाना से पूछा गया कि असल ज़िंदगी में रणबीर कपूर के 'एनिमल' वाले किरदार रणविजय जैसे किसी को स्वीकार करेंगी? इसपर एक्ट्रेस ने जो कुछ कहा है उसकी लोग काफी आलोचना कर रहे हैं।नेशनल क्रश रहीं रश्मिका मंदाना ने रणबीर कपूर के साथ अपनी साल 2023 में आई फिल्म 'एनिमल' को सपोर्ट करते हुए कहा कि फिल्मों को फिल्मों की तरह ही देखा जाना चाहिए, अगर कोई किसी फिल्म से प्रभावित होने वाला है तो उसे उसी तरह की फिल्म देखनी चाहिए। रश्मिका ने कहा- कोई भी दर्शकों को किसी खास फिल्म को देखने के लिए मजबूर नहीं कर रहा है।इतना ही नहीं उन्होंने 'मोजो स्टोरी' के साथ अपनी हालिया बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि क्या वह रणबीर कपूर के किरदार रणविजय बलबीर सिंह यानी विजय जैसे लड़के को डेट करना पसंद करेंगी तो इसपर रश्मिका मंदाना ने कहा- मुझे सच में यकीन है कि अगर आप किसी से प्यार करते हैं और कोई आपसे प्यार करता है, तो बदलाव आएंगे।' उनसे पूछा गया कि ये यंग और रोमांटिक आइडिया लग रहा, क्या सच में उन्हें लगता है कि लोग वाकई में बदलते हैं?इसपर वहां मौजूद दर्शकों और होस्ट ने भी कहा कि कोई नहीं बदलता। इसपर रश्मिका ने अपनी बात रखी है और कहा, 'मैंने ये बात इसलिए कही क्योंकि उदाहरण के लिए जब आप अपने पार्टनर या छोटी उम्र के किसी व्यक्ति के साथ बड़े होते हैं, तो आप एक पर्सनैलिटी डिवेलप कर रहे होते हैं। आप उस वक्त भी ये पता लगा रहे होते हैं कि आपको क्या पसंद है और क्या नहीं और जब आप एक साथ बड़े होते हैं, जैसे अचानक... आपको याद आता है, किसी बेस्ट फ्रेंड या पार्टनर का जिसका एक खास तौर-तरीका था दशक पहले, अचानक वो आपको वैसे दिखते हैं जैसे वो आज हैं।'रश्मिका की इन बातों को सुनकर लोग अपना सिर पीट रहे हैं। एक यूजर ने कहा, 'इस महिला को अपना मुंह नहीं खोलना चाहिए। इनकी बातों से साफ लग रहा है कि इनका दिमाग खाली है, जितना अधिक ये बोलती है उतना ही मैं इन्हें नापसंद करता हूं।' एक ने कहा, 'इन्हें न तो ऑनस्क्रीन और न ही ऑफस्क्रीन बोलना चाहिए।' एक ने उनका बचाव करते हुए लिखा, 'ये बहुत यंग हैं और इन्होंने ज्यादा दुनिया देखी नहीं, इसलिए साफ है कि इन्होंने ऐसा जवाब क्यों दिया।' एक ने कहा- ये हो सकता है अगर ये Haunting Adeline जैसी किताबें पढ़ेंगी।

सनी देओल ने पूरी की 'बॉर्डर 2' की शूटिंग, कहा- 27 साल पहले एक फौजी ने वादा किया था कि वह लौटेगा, मिशन पूरा हुआ

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सनी देओल ने अपनी अगली वॉर-ड्रामा

फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग पूरी कर ली है। शुक्रवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर यह खुशखबरी शेयर की है। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर लेटेस्ट फोटो शेयर कर बताया है कि 'बॉर्डर-2' की शूटिंग खत्म कर ली है। 'गदर' एक्टर ने सेना की वर्दी में एक तस्वीर शेयर की जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मिशन पूरा हुआ! फौजी,साइन ऑफ! बॉर्डर 2 से मेरी शूटिंग पूरी हो चुकी है। जय हिंद।'उन्होंने तस्वीर के बैकग्राउंड में पहली 'बॉर्डर' फिल्म के मशहूर गाने 'संदेशे आते हैं' को भी एड किया। गाना शुरू होने से पहले सनी की आवाज में संदेश है, '27 साल पहले एक फौजी ने वादा किया था कि वह लौटेगा। आज, उस वादे को पूरा करते हुए, मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी वापस आए हैं। भारत की पवित्र मिट्टी को सलाम करने।'फिल्म में वरुण धवन और अहान शेट्टी भी अहम रोल में हैं। दोनों ने हाल ही में पुणे में अपनी शूटिंग पूरी की। अहान ने इंस्टाग्राम पर को-एक्टर्स वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और निर्देशक अनुराग सिंह के साथ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। उन्होंने लिखा, 'और क्या है ये बॉर्डर...? बस एक फौजी और उसके भाई हैं। पुणे में शूटिंग पूरी, अब अगले पड़ाव की ओर।'वरुण ने भी पुणे के एनडीए (नेशनल डिफेंस एकेडमी) शेड्यूल पूरा होने की घोषणा की। उन्होंने अहान के साथ चाय और बिस्किट का आनंद लेते हुए एक वीडियो शेयर किया और लिखा, 'चाय और बिस्किट एनडीए में मेरी शूटिंग खत्म हुई और हमने सेलिब्रेट किया बिस्किट के साथ।'अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित अपकमिंग वॉर ड्रामा में सनी देओल भी हैं इस पूरी कहानी की जिम्मेदारी भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जे.पी. दत्ता और निधि दत्ता के कंधों पर है। इसे गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ द्वारा जे.पी. दत्ता की जे.पी. फिल्म्स के सहयोग से प्रस्तुत किया जा रहा है। फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शर्मनाक...पवन कल्याण ने तेलुगू लोगों से हिंदी सीखने को कहा तो भड़के प्रकाश राज- कितनी कीमत में खुद को बेचा?

मुंबई। आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम और एक्टर पवन कल्याण ने हाल ही तेलुगू और हिंदी भाषा को लेकर ऐसा बयान दिया, जिस पर प्रकाश मेहरा भड़क गए। पवन कल्याण ने तेलुगू बोलने वाले लोगों से हिंदी भाषा सीखने और बोलने की अपील की। साथ ही कहा कि हिंदी देश को जोड़ने वाली भाषा है, और इससे क्षेत्रीय भाषाओं को कोई खतरा नहीं है। यही बात प्रकाश राज को नागवार गुजरी और उन्होंने पवन कल्याण पर गुस्सा निकाला है। उन्होंने इसे शर्मनाक बताया है। पवन कल्याण ने शुक्रवार, 11 जुलाई को हैदराबाद में राजभाषा विभाग के 'दक्षिण संवाद' गोल्डन जुबली समारोह में कहा कि अगर तेलुगू भाषा हमारे लिए मां के समान है, तो हिंदी हमारे लिए बड़ी मां के समान है। यह पूरे देश को एक करती है। पवन कल्याण ने हिंदी भाषा की आर्थिक अहमियत पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कैसे क्षेत्रीय फिल्मों को हिंदी भाषा में डब करके पैन इंडिया रिलीज किया जाता है, जिससे रीजनल सिनेमा को काफी कमाई होती है।पवन कल्याण ने यह भी कहा कि हिंदी भाषा सीखने से किसी क्षेत्रीय भाषा की अहमियत कम नहीं हो जाएगी। इसलिए साउथ के लोगों को हिंदी भाषा सीखनी चाहिए। साथ ही कहा कि वह चाहते हैं कि साउथ की फिल्में हिंदी में अच्छा परफॉर्म करें और खूब पैसा कमाएं। पर सवाल किया कि हिंदी से पैसा कमाना चाहते हैं पर सीखना नहीं चाहते, यह कैसा रवैया है?प्रकाश राज ने पवन कल्याण का वीडियो एक्स पर रीट्वीट किया और लिखा, 'बस पूछ रहा हूं। किस कीमत पर खुद को बेचा? शर्मनाक है।'कुछ महीने पहले भी प्रकाश राज ने पवन कल्याण पर धावा बोला था, और उन पर हिंदी भाषा थोपने का आरोप लगाया था।

पवन कल्याण ने मई 2025 में तमिलनाडु के नेताओं द्वारा हिंदी भाषा का विरोध करने पर सवाल उठाया था। इस पर प्रकाश राज ने ट्वीट किया था कि पवन कल्याण अपनी हिंदी भाषा को हम पर न थोपें, बल्कि यह हमारे कल्चर और स्वाभिमान की रक्षा करने की बात है। मालूम हो कि तमिलनाडु, महाराष्ट्र, असम और आंध्र प्रदेश में हिंदी भाषा को लेकर विवाद बढ़ रहा है।

प्रेग्नेंट पत्रलेखा बच्चे के आने तक 6-7 महीने नहीं करेंगी शूटिंग, बताया किस तरह पति राजकुमार राव रख रहे ख्याल

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और एक्ट्रेस पत्रलेखा माता-पिता

बनने जा रहे हैं। कपल ने कुछ दिन पहले ही ये गुड न्यूज दुनिया को इंस्टाग्राम पर दी थी। बताया था ही वह बहुत एक्साइटेड हैं। शादी के 4 साल बाद 'सिटीलाइट' एक्ट्रेस मां बनने जा रही हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में इस फेज के बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि बेबी के स्वागत के लिए उन्होंने काम से ब्रेक लिया है। वह हर एक पल को इंजॉय कर रही हैं। साथ ही उन्होंने बच्चे के आने के बाद उसके साथ बंजी जंपिंग करने की भी इच्छा जताई है।पत्रलेखा ने 'हिंदुस्तान टाइम्स' से बातचीत में बताया कि वह इस वक्त बहुत थकान महसूस कर रही हैं। साथ ही उनको अभी ये पता ही नहीं है कि प्रेग्नेंसी की बात को वह अंदर से फील कर पा रही हैं या नहीं। उन्होंने बताया कि बच्चे के आने तक वह शूटिंग नहीं करेंगी, 'मैं अब अगले 6-7 महीनों तक शूटिंग नहीं करने वाली। मैं बस घर पर ही रहूंगी।' हालांकि वह काम से दूर नहीं रहेंगी।एक्ट्रेस पत्रलेखा ने आगे बताया कि उनका एक प्रोजेक्ट नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाला है, जिसके लिए वह बहुत एक्साइटेड हैं। उसका पोस्टर बहुत जल्द ही जारी होगा। एक्ट्रेस के मुताबिक, ये प्रोजेक्ट उनके दिल के बहुत करीब है। इसके लिए कड़ी मेहनत की है। कई साल पहले दोनों ने अपना एक प्रोडक्शन हाउस खोलने का सपना देखा था, जो अब सच हो रहा है। इसलिए ये पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों ही मायनो में खास है।पत्रलेखा ने राजकुमार राव के एक पिता के रूप में होने के बार में बताया कि जब वह दोनों हाल ही में न्यूजीलैंड गए थे तो वहां एक्टर ने उनका बहुत अच्छे से ख्याल रखा था। उन्होंने ये जानने की पूरी कोशिश की थी कि उन्हें क्या खाने का मन कर रहा है।

'धड़क 2' ट्रेलरः सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी प्यार के लिए मरने को तैयार, ये सीन्स देख खड़े हुए रोंगटे

मुंबई। 'धड़क 2' का ट्रेलर

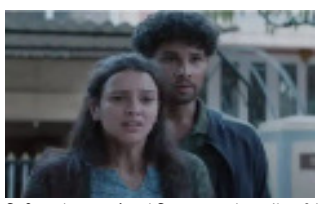

रिलीज हो गया है, जोकि साल 2018 में आई हिट फिल्म 'धड़क' का सीक्वल है। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं। ट्रेलर में सिद्धांथ और तृप्ति की केमिस्ट्री के साथ-साथ एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है। यह एक लव स्टोरी है, जिसमें सामाजिक संघर्ष के साथ-साथ प्यार की क्या कीमत चुकानी पड़ती है, यह भी दिखाया जाएगा। इन सीन्स को देख लोगों के भी रोंगटे खड़े हो गए। सिद्धांत ने 'धड़क 2' में नीलेश और तृप्ति डिमरी ने विधि का किरदार निभाया है। दोनों ने इन किरदारों में जान झोंक दी है। प्यार के लिए दोनों मरने और मारने और लड़ने तक को तैयार हैं। दोनों की जोड़ी की खूब तारीफ हो रही है।'धड़क 2' के ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जिन्हें देख फैंस भी हैरान रह गए। एक सीन है, जिसमें सिद्धांत के चेहरे पर इंक या कालिख जैसी कुछ लगी है और एक लड़के ने तृप्ति को उसके बालों से खींचकर पकड़ा हुआ है। इस सीन में सिद्धांत और तृप्ति के एक्सप्रेशन हैरान कर देते हैं। एक और सीन है, जिसमें सिद्धांत किसी को कुर्सी से पीट रहे हैं।'धड़क 2' को शाजिया इकबाल ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म 1 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ. दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।